Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

नये भारत की नई सोच

RNI NO. UPHIN/2018/76874

वर्ष: 6 अंक: 50 | गुरूवार, 20 फरवरी -2025 (गाजियाबाद) | पेज-9 | मूल्य-एक रुपया

भाजपा इस ऐतिहासिक जीत को अभी से ठोस आधार देने में जुट गई है, जोश को ठंडा होने का पूरा वक्त दिया गया

रेखा गुप्ता को दिल्ली की कमान कयासों पर लग गया विराम

नई दिल्ली। दिल्ली का चुनाव परिणाम आने के 10 दिनों के बाद जिस तरह एक महिला मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता को कमान देने का निर्णय लिया, उसने यह संकेत दे दिया है कि भाजपा इस ऐतिहासिक जीत को अभी से ठोस आधार देने में जुट गई है। जोश को ठंडा होने का पूरा वक्त दिया गया और फिर जाट, पंजाबी, वैश्य, पूर्वांचली के जाल को काटते हुए महिला को आगे कर पूरे देश को संदेश दिया गया। एक तरीके से पार्टी के अंदर भी नेताओं की प्रतिस्पर्धा को खत्म कर दिया गया। पिछले कुछ दिनों से जितनी चर्चा संभावित मुख्यमंत्री को लेकर हो रही थी, उतनी ही बहस इस बात पर भी थी की आखिर इतनी देर क्यों? क्या पेच है? हालांकि, दिल्ली के प्रभारी बैजयंत जय पांडा चुनाव परिणाम आने के साथ ही कह चुके थे कि 10 दिनों में नया मुख्यमंत्री मिलेगा। आम आदमी पार्टी के समय में भी एक महिला मुख्यमंत्री बनाई तो गई थी, लेकिन उसे अस्थायी भी करार दे दिया गया था। यह सच है कि मंत्रिमंडल में जातिगत और क्षेत्र गत फॉर्मूला साधा जाएगा। लेकिन चेहरा न्यूट्रल लेकिन प्रभावी रखने की कोशिश हुई है। यह भी एक संयोग है कि रेखा गुप्ता हरियाणा के जींद से आती है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री चुनाव में चौंकाया था। लेकिन यह संदेश भी दिया था कि पार्टी में बड़ा चेहरा होना सब कुछ नहीं है। कर्मठ कार्यकर्ता होना बहुत कुछ है, जो बिना अभिमान पार्टी नेतृत्व के सोच को जमीन तक पहुंचा पाए, पहले दिन से। रेखा गुप्ता को यह साबित करना पड़ेगा।

27 साल बाद भाजपा की सत्ता में वापसी

खींचतान को भाजपा ने शांत कर दिया

- वस्तुत: 27 साल बाद दिल्ली में जो जीत मिली, उसके बाद पार्टी के कई नेताओं में एक अभिमान भी था। जीत का सेहरा बांधने और दावेदारी की होड़ भी शुरू हो गई थी। भाजपा नेतृत्व ने धीरे-धीरे नेताओं की इस खींचतान को शांत कर दिया। वैसे भी सच्चाई तो यही है कि दिल्ली की जीत अगर किसी एक चेहरे पर हुई थी, तो वह नरेन्द्र मोदी थे।
- भाजपा के लिए बड़ा सवाल यह था कि जाति के पेच से कैसे निकलें? दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में भाजपा हर जाति वर्ग से अध्यक्ष बनाकर इसका प्रयोग करती रही है। अब जब सत्ता आई है, तो पार्टी इस बहस को ही समाप्त करना चाहती है। रेखा गुप्ता एक जाति से हैं, लेकिन उससे पहले महिला हैं।
- दिल्ली समेत कई राज्यों में भाजपा की जीत में महिलाओं की भूमिका अहम रही है। आज के दिन अकेले भाजपा यह दावा करेगी कि उसने एक महिला के हाथ में राज्य की कमान दी है, जबकि पड़ोसी राज्य राजस्थान में उपमुख्यमंत्री महिला है। बंगाल में जरूर ममता के हाथ कमान है, लेकिन वह खुद ही पार्टी की सुप्रीम लीडर हैं।

योगी सरकार का बजट आज, रहेगा तकनीक पर जोर

लखनऊ।

करीब 8 लाख करोड़ रुपये के अनुमानित बजट में लोक लुभावन और कल्याणकारी घोषणाओं का पिटारा खुलेगा। माना जा रहा है कि 2027 के चुनावों की छाप इस बजट में दिख सकती है। योगी सरकार बृहस्पतिवार को अपने दूसरे कार्यकाल का चौथा बजट पेश करेगी।

विकास को रफ्तार देने वाले और दस खरब डालर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य पूरा करने की दिशा में इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार और किसानों को बड़ी सौगात दी जाएगी। करीब 8 लाख करोड़ रुपये के अनुमानित बजट में लोक लुभावन और कल्याणकारी घोषणाओं का पिटारा खुलेगा। इस बजट में वर्ष 2022 में योगी सरकार के घोषणा पत्र को पूरा करने की झलक दिखेगी। उत्तर प्रदेश सरकार का वित्तीय वर्ष 2025-26 का आम बजट बृहस्पतिवार सुबह विधानसभा में पेश किया जाएगा। इससे पहले इसे कैबिनेट से अनुमोदित कराया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सुबह उनके आवास पर कैबिनेट बैठक बुलाई गई है। केंद्रीय बजट के अनुपात में प्रदेश के बजट का आकार लगभग 16 फीसदी होगा। सरकार का फोकस बुनियादी विकास, रोजगार, तकनीकी उन्नयन, कृषि और स्वास्थ्य पर रहेगा। बजट का एक हिस्सा धार्मिक पर्यटन और शिक्षा के लिए भी होगा। बजट में एक्सप्रेस वे और लिंक एक्सप्रेस वे के लिए बड़ी धनराशि की घोषणा हो सकती है। कैबिनेट में सरकार विन्ध्य एक्सप्रेस वे की घोषणा पहले ही कर चुकी है। प्रयागराज से वाराणसी होकर सोनभद्र तक जाने वाले इस नए एक्सप्रेस वे की लागत 24 हजार करोड़ रुपये आंकी गई है। बजट में इस मद में प्रावधान किया जा सकता है। लिंक एक्सप्रेस वे के जरिये प्रदेश के सभी वर्तमान, निमार्णाधीन और प्रस्तवित एक्सप्रेस वे को जोड़ने के लिए भी बजट में प्रावधान होगा। नए शहरी क्षेत्रों के विकास और मेट्रो परियोजनाओं की रफ्तार बढ़ाने का इंतजाम भी होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए ब्लाक स्तर पर मिनी स्टेडियम की योजना के लिए आवंटन हो सकता है। शहरी क्षेत्रों में सुविधाओं के विकास की मद में बड़ी धनराशि मिल सकती है। पिछले बजट में इस मद में 3000 करोड़ दिए गए थे।

ऑलराउंड प्रदर्शन से इनवर्टिस सुपर किंग्स ने जीता मुकाबला

लखनऊ। इस मुकाबले में सुपर किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 10 ओवर में दो विकेट खोकर 123 रन बनाए। जवाब में कानपुर चीफ्स 9.2 ओवर में सिर्फ 79 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। एलएलसीटेन-10 का रोमांच जारी है। बुधवार को इस लीग का 18वां मुकाबला कानपुर चीफ्स और इनवर्टिस सुपर किंग्स के बीच खेला गया। इस मैच में इनवर्टिस सुपर किंग्स ने कानपुर की टीम को 44 रन से हरा दिया। लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में सुपर किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 10 ओवर में दो विकेट खोकर 123 रन बनाए। जवाब में कानपुर चीफ्स 9.2 ओवर में सिर्फ 79 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई।

कपिल शर्मा की बढ़ी मुश्किलें: निहंग मुखी ने दी चेतावनी, बोले- कार्रवाई के लिए तैयार रहें

अमृतसर (पंजाब)।

पंजाब के अमृतसर के रहने वाले कॉमेडियन कपिल शर्मा की मुश्किलें बढ़ गईं हैं। उन्हें निहंग सिंहों के शीर्ष संगठन शिरोमणि पंथ अकाली बुड्ढा दल के प्रमुख सिंह साहिब जत्थेदार बाबा बलबीर सिंह अकाली ने माफी मांगने के लिए कहा है।

कॉमेडियन कपिल शर्मा ने अपने 'कपिल शर्मा शो' के जरिये काफी लोकप्रियता हासिल की है। टीवी के बाद ओटीटी पर भी इसे काफी पसंद किया गया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर द ग्रेट इंडियन कपिल

शर्मा शो से कॉमेडियन दर्शकों को खूब हंसा रहे हैं। वहीं अब कपिल शर्मा की मुश्किलें भी बढ़ गई हैं। क्योंकि निहंग सिंहों के शीर्ष संगठन शिरोमणि पंथ अकाली बुड्ढा दल के प्रमुख सिंह साहिब जत्थेदार बाबा बलबीर सिंह अकाली ने कॉमेडियन कपिल शर्मा को चेतावनी दी है। उन्होंने कपिल शर्मा को माफी मांगने के लिए कहा है। बाबा बलबीर सिंह अकाली की ओर से कपिल शर्मा पर कथित तौर पर बाबा दीवान टोडरमल के सबंध में गलत शब्दों का उपयोग करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दीवान टोडरमल ने दशम पिता साहिब श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबजादों की शहादत के बाद उनके दाह संस्कार के लिए बड़ी कीमत अदा कर जमीन खरीद का अंतिम संस्कार किया था।

सीएम फडणवीस ने दी चेतावनी

'शिवाजी का अपमान करने वालों को असली जगह दिखा देंगे'

पुणे।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बुधवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें एक प्रबंधन गुरु और योग्य प्रशासक बताया है।

फडणवीस ने पुणे के शिवनेरी किले में मराठा राजा को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि जो लोग छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने की कोशिश करेंगे, उन्हें उनकी असली जगह दिखाई जाएगी और राज्य उन्हें माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने न केवल स्वराज्य स्थापित किया, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की भावना भी जगाई। महान योद्धा राजा का जन्म 19 फरवरी, 1630 को जिले की जुन्नार तहसील के शिवनेरी में हुआ था। पालना समारोह में शामिल हुए नेता फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार ने शिवाजी महाराज की जयंती मनाने के लिए शिवनेरी किले में पालना समारोह सहित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। मराठा राजा के 395वें जन्मदिवस समारोह में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में उनके अनुयायी भी किले में एकत्र हुए। फडणवीस ने कहा कि शिवनेरी की धरती पर पैर रखने से स्वराज्य की प्रेरणा जागृत होती है और यही भावना लोगों को बार-बार इस स्थान पर खींच लाती है। फडणवीस ने शिवाजी महाराज के किलों के संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि उनका महत्व मंदिरों से भी अधिक है। उन्होंने कहा कि हम इन किलों के संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। इन सभी स्थलों से अतिक्रमण हटाने के लिए एक टास्क फोर्स बनाई गई है।

न्यूजीलैंड ने चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के खिलाफ बरकरार रखा अजेय रहने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉम लाथम और विल यंग के शतकों से 50 ओवर में पांच विकेट पर 320 रन बनाए थे। जवाब में गत चैंपियन पाकिस्तान की पूरी टीम 47.2 ओवर में 260 रन पर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान के लिए खुशदिल शाह और बाबर आजम ने अर्धशतक जड़े, लेकिन यह टीम को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं रहे। पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को 60 रनों से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी में जीत के साथ आगाज किया। दिलचस्प बात यह है कि चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान का चार बार आमना-सामना हुआ है, जिसमें कीवियों ने चारों मुकाबले अपने नाम किए हैं।

राम रहीम हिंसा मामला

41 आरोपी बरी, सात साल बाद आया फैसला

चंडीगढ़।

डेरा प्रमुख राम रहीम को दोषी करार देने के बाद पंचकूला हिंसा मामले में जिला अदालत ने 41 आरोपी एकसाथ बरी कर दिए हैं।

बरी होने वाले आरोपियों के खिलाफ सेक्टर-20 थाना पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पंचकूला जिला अदालत की चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट में यह मामला चल रहा था। पंचकूला में सात साल पुराने राम रहीम हिंसा मामले में जिला अदालत ने एकसाथ 41

आरोपियों को सबूतों के अभाव के चलते बरी कर दिया। पुलिस की तरफ से आरोपियों के खिलाफ जुटाए गए साक्ष्य नाकाफी थे। ऐसे में आरोपियों के खिलाफ आरोप साबित ही नहीं हो पाए। इसी के चलते अदालत ने 41 आरोपितों को बरी कर दिया। मामले में पंचकूला पुलिस के एएसआई प्रकाश चंद शिकायतकर्ता थे। इन सभी के खिलाफ सेक्टर-20 थाना पुलिस ने 26 अगस्त 2017 को सरकारी कार्य में बाधा डालने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। आरोपियों के खिलाफ पंचकूला जिला अदालत की चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट में मामला चल रहा था। बरी होने वालों में बलविंदर सिंह, अमन कुमार, जरनैल सिंह, विपिन, रमेश कुमार, इंद्रजीत सिंह, सुशील कुमार, पाला राम, मनदीप सिंह, मिर्जा, राजवीर, सुखदेव, युनुस, गुरमीत, इकबाल सिंह, बगीचा सिंह, ओम प्रकाश, जरनैल सिंह, रवि कुमार, गुरसेवक, महेंद्र सिंह आदि रहे।

दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री बनी रेखा गुप्ता

नई दिल्ली।

दिल्ली में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के करीब 11 दिन बाद मुख्यमंत्री के नाम का एलान हो चुका है। दिल्ली ने इस दौरान अब तक आठ मुख्यमंत्री देखे हैं और भाजपा ने रेखा गुप्ता को राजधानी का नेतृत्व करने वाले नौंवा सीएम बनाने का एलान कर दिया। इसी के साथ रेखा गुप्ता दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री होंगी। उनसे पहले सिर्फ सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी ही दिल्ली में महिला सीएम रही थीं। इस बीच चौंकाने वाली बात यह है कि 1952 से लेकर अब तक दिल्ली में सबसे लंबा 19 साल का कार्यकाल संभालने वाली कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों की संख्या सिर्फ तीन रही है, जबकि 1993 में महज पांच साल का कार्यकाल पूरा करने वाली भाजपा ने राजधानी को तीन मुख्यमंत्री दिए हैं। ऐसे में यह जानना अहम है कि दिल्ली में सरकारों और मुख्यमंत्रियों का इतिहास क्या रहा है? किस पार्टी ने कब से-कब तक राजधानी की सत्ता संभाली? दिल्ली में सबसे लंबा और सबसे छोटा कार्यकाल किस मुख्यमंत्री का रहा है।

संपादक की कलम से

तंत्र की नाकामी

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भयावह भगदड़ में जिन 18 लोगों की जान गई, उसे महज दुर्घटना नहीं कहा जा सकता। सही मायने में यह योजना, दूरदर्शिता और जवाबदेही की विफलता थी। जैसा कि पहले से पता था कि रोज हजारों तीर्थयात्री प्रयागराज महाकुंभ के लिये ट्रेनों में चढ़ने के लिये उमड़ रहे थे, अधिकारी उस भारी भीड़ का अनुमान लगाने और उसे प्रबंधित करने में विफल रहे। जिसके चलते यह दुखद हादसा घटित हुआ। पूर्व रेल मंत्री पवन बंसल समेत कई विपक्षी नेताओं ने रेल मंत्री की जवाबदेही तय करने की मांग है। उनका कहना है कि यात्रियों की अप्रत्याशित संख्या में वृद्धि को देखते हुए भीड़ नियंत्रण के लिये उपाय करने में सरकार विफल रही है, जो एक गंभीर चूक है। निस्संदेह, महाकुंभ पहली बार नहीं हो रहा है। रेलवे यातायात संचालन में इसके पैमाने और प्रभाव का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है। इसके बावजूद इस त्रासदी का सामने आना कई सवालों को जन्म देता है। सवाल मृतकों व घायलों को दिये जाने वाले मुआवजे को लेकर भी है। जबकि सामान्य दिनों में वर्ष 2023 की मुआवजा निर्देशिका में निर्धारित मुआवजा राशि में बड़ा अंतर है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार प्रणालीगत मुद्दों को ठीक करने के बजाय नकद भुगतान बढ़ाकर तंत्र की साख को हुई क्षति की पूर्ति का प्रयास कर रही है। यही वजह है कि विपक्षी दल रेलमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। हादसे की सूचना की लीपापोती को लेकर भी सवाल उठे हैं। कहा जा रहा है कि ऐसे रेल हादसों के वक्त रेलमंत्री के रूप में नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए लाल बहादुर शास्त्री और नीतीश आदि ने अपने पद से त्यागपत्र दिए थे। दरअसल, इस्तीफे से परे रेलवे में प्रणालीगत सुधार की भी आवश्यकता है। भारतीय रेलवे को अपने भीड़ प्रबंधन प्रोटोकॉल में सुधार करने की जरूरत है। खासकर धार्मिक पर्वों और त्योहार की भीड़ के दौरान अतिरिक्त सावधानी की जरूरत महसूस की जाती है। सही मायनों में दिल्ली समेत तमाम रेलवे स्टेशनों में तीर्थयात्रियों की अप्रत्याशित भीड़ को देखते हुए टिकटों के वितरण और नई ट्रेनों के संचालन को लेकर जिस संवेदनशील प्रशासन की जरूरत थी, वह नजर नहीं आया। ट्रेनों के आने के समय और उनके स्थगित होने पर कारगर वैकल्पिक व्यवस्था की जरूरत थी,वह नजर नहीं आई। दिल्ली हादसे के बारे में कहा जा रहा है कि एक नाम की दो ट्रेनों को लेकर मची भगदड़ हादसे की वजह बनी। एक अनुमान के अनुसार रेलवे प्रयागराज जाने वाले यात्रियों के लिए हर घंटे डेढ़ हजार सामान्य टिकट जारी कर रहा था।

ललित शर्मा
संपादक

आखिर भारत का 'असली' दुश्मन कौन?

जब ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा दलील देते हैं कि भारत को चीन को अपना दुश्मन नहीं मानना चाहिए, तो सवाल पैदा होता है कि आखिर इंडिया गठबंधन के मुख्य घटक समाजवादी पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष और तत्कालीन रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव ने चीन को भारत का दुश्मन नम्बर वन क्यों करार दिया था?

दरअसल, 1962 के भारत-चीन युद्ध से लेकर 2020 के गलवान घाटी हिंसक झड़प तक, क्रमशः उसके पहले या इसके बाद भारत को लेकर चीन के जो अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार दिखते आए हैं, उससे तो यही प्रतीत होता है कि चीन भारत का मजबूत दुश्मन है। नेहरू-मोदी की मित्रता की भावना को उसने कुचला है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों से पता चलता है कि भले ही ईसाईयत और इस्लाम से सम्भाव्य मुकाबले के लिए हिंदुत्व (भारत) को बुद्धत्व (चीन) की जरूरत पड़ेगी, लेकिन इसके लिए दोनों देशों को समझदारी भरी दूरदर्शिता दिखानी पड़ेगी, अन्यथा वैश्विक परिस्थितियों की धर्मांध चक्की में दोनों देश पिसे जाएंगे और युगों-युगों तक पछताएंगे।

इसलिए स्वाभाविक सवाल है कि भारत का असली दुश्मन कौन है? तो जवाब होगा कि भारत के कई दुश्मन हैं और इसके कारण भी अलग-अलग हैं। जहां तक राजनीतिक नजरिए और भौगोलिक सीमाओं का सवाल है तो चीन हमारा दुश्मन नम्बर वन है। वहीं, पाकिस्तान दुश्मन नम्बर 2, बंगलादेश दुश्मन नम्बर 3, नेपाल दुश्मन नम्बर 4, श्रीलंका दुश्मन नम्बर 5, मालदीव दुश्मन नम्बर 6, म्यामांर दुश्मन नम्बर 7, अफगानिस्तान दुश्मन नम्बर 8 और भूटान दुश्मन नम्बर 9 हैं। इन सबकी दांवपेंच भरी नीतियों से भारत किसी न किसी रूप में परेशान रहता है, क्योंकि अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी, रूस और पश्चिमी देशों के शह पर ये भारत विरोधी नीतियों पर बहुधा अमल करते आए हैं।

वहीं, सांस्कृतिक नजरिए से हिन्दू विरोधी होने के कारण कट्टर इस्लाम, ईसाई, सिख, बौद्ध आदि के आंतरिक गठजोड़ भी भारत के लिए आस्तीन के सांप जैसे हैं। क्योंकि पाकिस्तान, तुर्किये, ईरान आदि की शह पर कभी मुस्लिम देशों के संघ द्वारा, तो कभी ईसाई देशों के संघ द्वारा और इनके धर्मांध कारोबारियों द्वारा भारत के खिलाफ षड्यंत्र रचे जाते हैं। साथ ही जैसे भारतीय मूल वाले सिख धर्म से जुड़े विदेशी लोगों को कनाडा-यूएसए द्वारा, दलित बौद्धों को चीन द्वारा भड़काया जाता है, अलगाववाद को बढ़वाया जाता है, वह भी भारत के भविष्य से दुश्मनी जैसा ही है। क्योंकि इनको शह देने वाले मुल्क भारत के हिंदुओं की जातीय और क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काकर न केवल धर्मांतरण करवाते हैं, बल्कि गृह युद्ध के बीज भी यत्र-तत्र-सर्वत्र बुनते रहते हैं। दलित-ओबीसी साहित्य, साम्प्रदायिक इतिहास को शह आदि इनके सांस्कृतिक औजार बन चुके हैं।

वहीं, अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में गुटनिरपेक्षता, सत्य व अहिंसा से अभिप्रेरित वसुधैव कुटुंबकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया जैसी उदात्त सोच से ग्लोबल साउथ मतलब तीसरी दुनिया के देशों के हितों की वकालत के चलते भी पश्चिमी राष्ट्र कनाडा, इंग्लैंड, जर्मनी, इटली आदि भारत से कभी प्रत्यक्ष और कभी परोक्ष शत्रुता रखते आए हैं।

हालांकि, कड़वा सच यह है कि भारत के असली शत्रु हमारे मूढ़ राजनेता हैं, जो 'महाभारत' काल से अभिप्रेरित सार्थक नीतियों को प्रश्रय देने तथा राष्ट्रवाद-हिंदूवाद को संरक्षित करने के बजाय पश्चिमी लोकतंत्र प्रेरित उस क्षुद्र धर्मनिरपेक्षता की वकालत करते आए हैं जो एक अंतर्राष्ट्रीय नैतिक महामारी समझी जाती है। चूंकि इसके सिद्धांत और व्यवहार में काफी अंतर दुनिया के देशों में पाया जाता है, इसलिए एशियाई संदर्भ में यह धर्मनिरपेक्षता भारत की प्राचीन सनातन संस्कृति को कुचलने का एक बौद्धिक हथियार समझी जाती है।

इसके अलावा दलित-महादलित, पिछड़ा-अत्यंत पिछड़ा की जातीय अवधारणा, आदिवासी और आर्य के अंतर्राष्ट्रीय विभेद, अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक के धार्मिक विभेद, भाषाई क्षेत्रवाद और एक समान कानून बनाने के

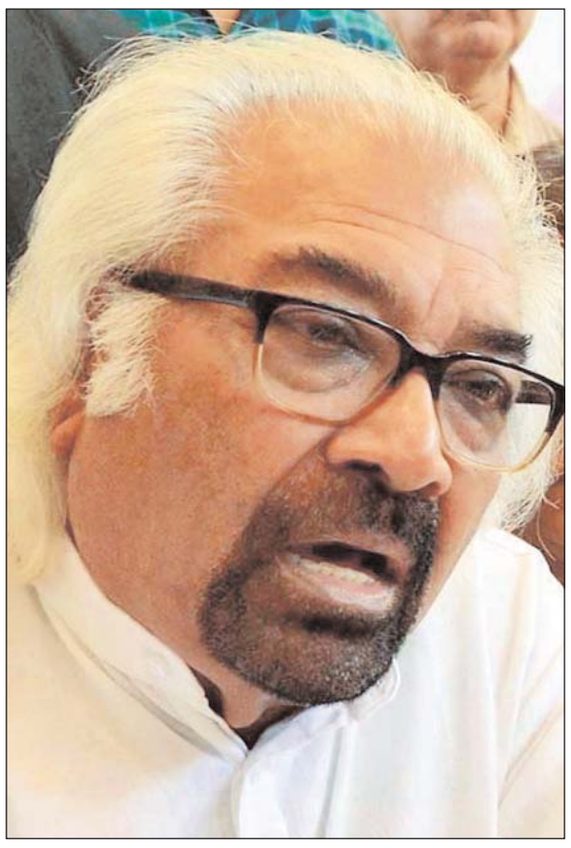

बजाय आभिजात्य वर्गों के हितों के मुताबिक कानून निर्माण और इनको लेकर बहुमत-अल्पमत की आत्मघाती राजनीति ऐसे संवैधानिक सवाल हैं जिसका विवेकसम्मत समाधान हमारे राजनेताओं को देना चाहिए लेकिन वह पीछे 75 साल में वह इस मामले में विफल रहे हैं। इस नजरिए से संविधान संरक्षण को लेकर अविवेकी न्यायिक हठ और कुतर्क भी एक बड़ी वजह है जिससे धर्मनिरपेक्षता जैसी टुच्ची सोच लाभान्वित है। वहीं जातीयता आदि विधि व्यवस्था के सवाल पर प्रशासनिक पूर्वाग्रह भी एक राजनैतिक त्रासदी ही है। इसलिए भारत के इस असली शत्रु को यदि हमलोग पहचान लिए, वैदिक संस्कृति के मुताबिक यहां के जनमानस को ढाल लिए, राजनीतिक अश्वमेध यज्ञ की पुनः शुरूआत कर लिए, तो भारत के जितने भी प्रत्यक्ष या परोक्ष शत्रु हैं, सबके दांत खट्टे किए जा सकते हैं।

निःसन्देह, बदलते विश्व की यही डिमांड भी है, जिसको लेकर भारत के लोगों के बीच सांस्कृतिक व राजनीतिक जागरूकता फैलाने की जरूरत है। इससे अखण्ड भारत यानी महाभारत के सपनों को पुनः हासिल करना आसान हो जाएगा। हमारा देश विश्व गुरु और सोने की चिड़िया बन जाएगा। अब बात पुनः सैम पित्रोदा के बयानों की। ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने भले ही एक इंटरव्यू में कहा कि चीन से खतरे को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। इसलिए भारत को चीन को अपना दुश्मन मानना बंद कर देना चाहिए। ऐसा करके उन्होंने भाजपा और सपा दोनों पर निशाना साध दिया। सपा तो मित्रतापूर्ण सम्बन्धों के चलते चुप रही लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने उनके बयान आलोचना की है। लिहाजा, पित्रोदा के बयान के बाद कांग्रेस बैकफुट पर आ गई है। इस बीच पार्टी ने उनके बयान से खुद को अलग कर लिया है। इस संबंध में कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ₹सैम पित्रोदा के चीन पर व्यक्त किए गए कथित विचार कांग्रेस के विचार नहीं हैं।

सवाल है कि चीन के बारे में पित्रोदा का नजरिया ऐसा इसलिए है क्योंकि भाजपा भी चीन को लेकर अक्सर ढुलमुल ही रही है। तभी तो ब्रेक के बाद मोदी-चिनफिंग मिले और बंगलादेश जैसा भारत विरोधी कुकाण्ड हो गया। इसलिए चीन के सवाल पर भाजपा-कांग्रेस में कोई ज्यादा अंतर नहीं है। चाहे इनकी राजनीतिक दलीलें पित्रोदा को लेकर कुछ भी हो। हां, उनके चीन सम्बन्धी बयानों से कांग्रेस की सहयोगी समाजवादी पार्टी की ईर्ष्या जरूर बढ़ेगी।

चूंकि कांग्रेस इंडिया गठबंधन की अगुवाई कर रही है और यूपी में सपा के साथ उसके रिश्ते भी उतार-चढ़ाव भरे सियासी दांवपेंच वाले होते हैं, तो क्या यह समझा जाए कि पित्रोदा का यह बयान भी समाजवादी पार्टी की मौलिक विदेश नीति पर करारा तमाचा है। क्योंकि यूपी के कद्दावर मुख्यमंत्री रहे स्व. मुलायम सिंह यादव के पुत्र और सपा प्रमुख अखिलेश यादव, पूर्व मुख्यमंत्री, यूपी के राजनीतिक पैंतरों से अक्सर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी परेशान रहा करते हैं। यूपी के दो लड़के के नाम से मशहूर यह सियासी जोड़ी जब एकजूट रहती है तो कभी सफल तो कभी विफल होती है। चूंकि सैम पित्रोदा राहुल गांधी के अंतर्राष्ट्रीय सलाहकारों में शुमार किये जाते हैं, इसलिए उनके ताजा बयानों को एक तीर से कई शिकार करने की सियासी कवायद समझा जा रहा है। राजनीति में यही होता भी आया है। अमेरिका से लेकर चीन तक और भारत से जुड़े विभिन्न सुलगते सवालों पर सैम पित्रोदा अपनी अटपटी बयानबाजियों के लिए मशहूर रहे हैं। इसलिए कभी कांग्रेस उन्हें अपनी पार्टी से हटाती है तो कभी ससम्मान लाकर ओवरसीज कांग्रेस सम्बन्धी पुरानी जिम्मेदारियों को थोप देती है।

बता दें कि यह पहला मौका नहीं है, जब उन्होंने इस तरह का विवादित बयान दिया हो। दरअसल उनके विवादित बयानों के फेहरिस्त लंबी है। उनके सात अटपटे बयान निम्नलिखित हैं, जिनमें से कुछ पर उन्होंने माफी भी मांगी है। पहला, मई 2024 में सैम पित्रोदा पिछले साल द स्टेट्समैन को दिए एक इंटरव्यू में कहा भारतीय नागरिकों की तुलना चीनी, अफ्रीकी, अंग्रेजों और अरबों से की थी। उन्होंने अपने इंटरव्यू में कहा कि हम भारत जैसे विविधतापूर्ण देश को जोड़ कर रख सकते हैं, जहां पूर्वोत्तर राज्यों में लोग चीनी जैसे दिखते हैं, पश्चिम भारत में लोग अरब जैसे दिखते हैं, उत्तर के लोग व्हाइट जैसे दिखते हैं और दक्षिण भारतीय अफ्रीकी जैसे दिखते हैं।

दूसरा, अप्रैल 2024 में उन्होंने इनडायरेक्ट रुप में अमेरिका में लगाए जाने वाले विरासत टैक्स की वकालत करते हुए कहा था कि अमेरिका में इनहेरिटेंस टैक्स लगता है। इसके तहत अगर किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है और वह मर जाता है, तो वह केवल 45 प्रतिशत प्रॉपर्टी ही अपने बच्चों को ट्रांसफर कर सकता है। बाकी 55 फीसदी संपत्ति सरकार ले लेती है। हालांकि, भारत में ऐसा नहीं। ऐसे में अगर कोई शख्स 10 अरब का मालिक है और उसकी मृत्यु हो जाती है, तो उसके बच्चों को उसकी पूरी राशि विरासत में मिलती है और जनता को कुछ भी नहीं मिलता है। ये ऐसे मुद्दा है जिस पर हमें बहस और चर्चा करने की जरूरत है। तीसरा, जनवरी 2024 में सुधींद्र कुलकर्णी के एक लेख का हवाला देते हुए सैम पित्रोदा ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि संविधान के निर्माण में जवाहरलाल नेहरू ने बीआर आंबेडकर से ज्यादा महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके इस बयान पर भी बहस छिड़ गई और बाद में इसे वापस ले लिया गया।

चौथा, जून 2023 में राम मंदिर मुद्दे पर पित्रोदा की टिप्पणी को लेकर भी विवाद खड़ा हो गया था। तब उन्होंने तर्क दिया कि बेरोजगारी और अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दों को छोड़कर धार्मिक मामलों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा, ₹मुझे किसी भी धर्म से कोई दिक्कत नहीं है। -कमलेश पांडे

मोनिका डागा
मौन अभिव्यक्ति
कविता

मौन नि :शब्द मन की एक मूक भाषा,
परिस्थिति पर निर्भर जिसकी परिभाषा,
कभी स्वीकृत पथ बढ़ा शांति की ओर,
या तूफानों के आने का गुपचुप शोर ।

मौन प्रति उत्तर उन प्रश्नों का संक्षिप्त,
जब मन न चाहे होना प्रसंग में संलिप्त,
वातावरण जहां हो क्लेशमय व क्लिष्ट,
मौन वहां इंगित करता दृश्य उत्कृष्ट ।

मौन खोज अपने को पहचानने की,
दृष्टिकोण गूढ़ रहस्य को जानने की,
मौन को हर कोई न समझ सकता,
कहीं पर ₹आनंदर कहीं मन तड़पता ।

मौन कभी बन कारण तोड़ता संबंध,
मौन कभी जोड़ता ईश्वर से अनुबंध,
मौन कभी हिम्मत बन साथ निभाता,
कभी ये जिंदगी को रूखा कर जाता ।

मौन कभी मजबूरी कभी है जरूरी,
कमजोरी बने, कभी हो धैर्य की डोरी,
मौन है कला सबके बस की बात नहीं,
मौन का रूप हो चेतना, चित्कार नहीं ।

शिक्षा में स्मार्टफोन के प्रचलन से एकाग्रता एवं हेल्थ खतरे में

ललित गर्ग

शिक्षा में तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन के उपयोग और उसके घातक प्रभावों को लेकर दुनियाभर में हलचल है, बड़े शोध एवं अनुसंधान हो रहे हैं, जिनके निष्कर्षों एवं परिणाम को देखते हुए कड़े कदम भी उठाये जा रहे हैं। शोध एवं अध्ययनों के तथ्यों ने चौंकाया भी है एवं चिन्ता में भी डाला है। पाया गया कि जो छात्र अपने फोन के करीब रहकर पढ़ाई करते हैं, उन्हें ध्यान केंद्रित करने में बहुत मुश्किल होती है, भले ही वे इसका उपयोग न कर रहे हों। स्मार्टफोन के उपयोग से नींद की गुणवत्ता कम होने, तनाव बढ़ने, एकाग्रता बाधित होने, स्मृति लोप होने, अवांछित सामग्री का अधिक उपयोग करने, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ने जैसे खतरे उभरें हैं। इन बढ़ते खतरों को देखते हुए दुनियाभर में कम से कम 79 शिक्षा प्रणालियों ने स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। जिसे लेकर, कई देशों में बच्चों की शिक्षा और निजता पर इसके प्रभाव को लेकर बहस जारी है।

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठनह्न (यूनेस्को) की वैश्विक शिक्षा निगरानी (जीईएम) टीम के अनुसार, 60 शिक्षा प्रणालियों या वैश्विक स्तर पर पंजीकृत कुल शिक्षा प्रणालियों का 30 प्रतिशत ने विशेष कानूनों या नीतियों के माध्यम से 2023 के अंत तक स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत में अभी इस ओर कोई कदम नहीं उठाया गया है।

सर्वेक्षण के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि डिजिटल शिक्षा और स्मार्टफोन के इस्तेमाल में बच्चों की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। यह बदलाव शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा कर रहा है, लेकिन साथ ही इसके साथ कई चुनौतियाँ भी हैं, डिजिटल शिक्षा को संतुलित और सुरक्षित बनाना आने वाले समय में एक प्रमुख चुनौती है। डिजिटल शिक्षा के बढ़ते प्रभाव के साथ, यह आवश्यक हो गया है कि स्मार्टफोन और इंटरनेट का सही, संयमपूर्ण और सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित किया जाए ताकि बच्चों का विकास सही दिशा में एवं समग्रता से हो। निस्संदेह, शिक्षा के बाजारीकरण और नए शैक्षिक प्रयोगों में मोबाइल की अपेक्षाओं को महंगे स्कूलों ने स्टेटस सिंबल बना दिया है। लेकिन हालिया वैश्विक सर्वेक्षण बता रहे हैं कि पढ़ाई में अत्यधिक मोबाइल का प्रयोग विद्यार्थियों के लिये मानसिक व शारीरिक समस्याएं पैदा कर रहा है। सर्वविदित है कि विभिन्न ऑनलाइन शैक्षिक कार्यक्रमों के चलते छात्र-छात्राओं में मोबाइल फोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है।

तमाम पब्लिक स्कूलों ने ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल अनिवार्य तक बना दिया है। कमोबेश सरकारी स्कूलों में ऐसी बाध्यता नहीं है। लेकिन वैश्विक स्तर पर किए गए सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि स्मार्टफोन एक हद तक तो सीखने की प्रक्रिया में मददगार साबित हुआ है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। ज्यादा मोबाइल का इस्तेमाल करने से पढ़ाई में बाधा आती है, नैसर्गिक शैक्षणिक गुणवत्ता आहत होती है।

भारत में 21 राज्यों के ग्रामीण समुदायों में 6-16 वर्ष की आयु के

स्कूली बच्चों के 6,229 अभिभावकों के बीच किए गए अखिल भारतीय सर्वेक्षण से पता चला कि अधिकतर बच्चे पढ़ाई के बजाय मनोरंजन एवं अश्लील सामग्री के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। सर्वेक्षण में कहा गया है कि जिन छात्रों के पास गैजेट्स हैं, उनमें से 56.6 प्रतिशत ने डिवाइस का इस्तेमाल मूवी डाउनलोड करने और देखने के लिए किया, जबकि 47.3 प्रतिशत ने उनका इस्तेमाल संगीत डाउनलोड करने और सुनने के लिए किया। सर्वेक्षण से पता चला है कि ग्रामीण भारत में 49.3 प्रतिशत छात्रों के पास स्मार्टफोन की पहुंच है, लेकिन उनमें से केवल 34 प्रतिशत ही पढ़ाई के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं।

वैश्विक स्तर पर, आज दुनिया भर में 6.378 बिलियन स्मार्टफोन उपयोगकर्ता हैं-जो कि कुल आबादी का लगभग 80.69 प्रतिशत है। इसमें दो मत नहीं कि एक समय महज बातचीत का जरिया माना जाने वाला मोबाइल फोन आज दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा करने वाला बेहद जरूरी उपकरण बन चुका है। खासकर कोरोना संकट के चलते स्कूल-कालेजों के बंद होने के बाद तो यह पढ़ाई का अनिवार्य हिस्सा बन गया। आललाइन कक्षाओं के बढ़ते प्रचलन में लगने लगा था कि इसके बिना तो पढ़ाई संभव ही नहीं है। लेकिन नादान बच्चों के हाथ में मोबाइल बंदर के हाथ में उस्तरे जैसा ही साबित हुआ है। निश्चित तौर पर ये उनके भटकाव, गुमराह, दिग्भ्रमित और मानसिक विचलन का कारण भी बना है। इसी कारण कई देशों में स्कूलों में स्मार्टफोन पर बैन लगा दिया है, क्योंकि इन देशों का मानना है कि यह बच्चों की शिक्षा और उनकी गोपनीयता पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

अनेक देशों में हुए सर्वेक्षणों ने स्मार्टफोन के उपयोग से विद्यार्थियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता जतायी है। इनकी रिपोर्ट एवं चौंकाने वाले तथ्य भारत में शिक्षा के नीति-नियंताओं की आंख खोलने वाले हैं। यूनेस्को की टीम के मुताबिक बीते साल के अंत तक कुल पंजीकृत शिक्षा प्रणालियों में से चालीस फीसदी ने सख्त कानून या नीति बनाकर स्कूलों में छात्रों के स्मार्टफोन के प्रयोग पर रोक लगा दी है। दरअसल, आधुनिक शिक्षा के साथ आधुनिकीकरण एवं विकास की अपेक्षा को दर्शा कर तमाम पब्लिक स्कूलों में मोबाइल के उपयोग को अनिवार्य बना दिया गया। निस्संदेह, आधुनिक समय में स्मार्टफोन कई तरह से शिक्षा में मददगार है। लेकिन यहां प्रश्न इसके अनियंत्रित एवं अवांछित प्रयोग का है। साथ ही दुनिया में अनियंत्रित इंटरनेट पर परोसी जा रही अनुचित, अश्लील, अनुपयोगी सामग्री और बच्चों पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभावों पर भी दुनिया में विमर्श जारी है।

मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग छात्रों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए बुरा है तथा इसके लगातार उपयोग से चिंता का स्तर बढ़ता है, आत्म-सम्मान कम होता है तथा अकेलेपन की भावना बढ़ती है। इसका अंधाधुंध व गलत उपयोग घातक भी हो सकता है। दरअसल, स्मार्टफोन में वयस्कों से जुड़े तमाम एप ऐसे भी हैं जो समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रहे हैं। उन्हें यौन कुंठित बना रहे हैं। बड़ी चुनौती यह है कि बच्चों की एकाग्रता भंग हो रही है। बच्चों में याद करने की क्षमता घट रही है।

बदलते शैक्षणिक परिदृश्यों में जब शिक्षा में स्मार्टफोन का उपयोग टाला नहीं जा सकता, लेकिन उसका नियंत्रित उपयोग तो किया ही जा सकता है। निस्संदेह उसका उपयोग सीमित एवं संयमपूर्वक किया जाना नितांत अपेक्षित होना चाहिए। संकट यह भी कि मोबाइल पर खेले जाने वाले ऑन लाइन गेम जहां बच्चों को मैदानी खेलों से दूर कर रहे हैं, वहीं स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर डाल रहे हैं। हमें किसी भ्रम में नहीं रहना चाहिए। पूरी दुनिया में बढ़ता मोबाइल फोन का प्रचलन एक संकट है एवं एक चुनौती है। क्या हम वाकई सोचते हैं कि छात्रों को स्कूल में ज्यादा स्क्रीन टाइम की जरूरत है? कुछ सर्वेक्षण के परिणामों ने विश्वविद्यालय के संसाधनों और शैक्षणिक जानकारी तक मोबाइल पहुँच के लिए छात्रों की बढ़ती माँग को प्रदर्शित किया, साथ ही अपने साथियों और प्रशिक्षकों के साथ तेज, व्यक्तिगत, इंटरैक्टिव डिजिटल संचार की बढ़ती जरूरतों को भी दशार्या।

भारत में स्मार्टफोन के उपयोग को बैन करने का निर्णय जल्दबाजी में न हो, पहले अनुसंधान हो, परामर्श किया जाना चाहिए तथा उनके अनुप्रयोग पर गहन विचार किया जाना चाहिए। निश्चित तौर पर स्मार्टफोन छात्र-छात्राओं का सहायक तो बन सकता है, लेकिन सबकुछ इसके भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इससे छात्रों की स्वतः स्फूर्त मेधा कुंद होने का खतरा है। छात्र जीवन को तकनीक का वन नहीं, बल्कि पुरुषार्थ और प्रतिभा का उपवन बनाये। वृक्ष भी जीते हैं, पशु-पक्षी भी जीते हैं, परन्तु वास्तविक जीवन वे ही जीते हैं, जिनका मन मनन का उपजीवी हो। मननशीलता की संपदा मानव को सहज उपलब्ध है, जिसका अधिकाधिक उपयोग और विकास कर जीवन को सार्थक दिशा प्रदान करें।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

बरेली के ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वे के बाद भी अभी तक नही शुरू हुआ रोडवेज का संचालन

वेलकम इंडिया/चरन सिंह

बरेली। ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वे पूरा होने के बाद भी रोडवेज बसों का संचालन शुरू नहीं हो सका है। इसकी वजह से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, दरअसल एक साल पहले परिवहन विभाग और परिवहन निगम ने इसके लिए सर्वे करा कर रिपोर्ट मुख्यालय भेजी थी। जिसमें उल्लेख किया गया था कि जिले के अभी भी कई ऐसे गांव हैं जहां पर रोडवेज बस नहीं पहुंचने से लोगों को बरेली आकर दिल्ली, लखनऊ या अन्य जगह के लिए बस पकड़नी पड़ती है। जहां रोडवेज बसें नहीं चल रही थीं, वहां सर्वे कराकर बसों का संचालन कराने की बात कही थी। परिवहन विभाग और परिवहन निगम की टीमों ने जिले के 86 गावों में रोडवेज बस चलाने के लिए सर्वे किया था। सर्वे में कमेटी ने सड़क की चौड़ाई, सड़क की स्थिति आदि के बारे में जानकारी जुटाई थी। उसके बाद किस रूट पर कितने सीटर बस चलेगी इसकी रिपोर्ट मुख्यालय को भेजी गई थी। सर्वे के अनुसार बरेली में रिछा क्रासिंग बालपुर, बहेड़ी सेमीखेड़ा-वसुधरन, बहेड़ी शीशगढ, बहेड़ी-शेरगढ़, बकैनिया चम्पतपुर से पिररिया रामपुर, सतुइया पट्टी से भोलापुर मिलक, रसूली चौधरी से गौतारा मुरादाबाद, बिहारीपुर से किटौना-आवंला-सिरौली-शाहबाद, राजपुर कलान से ढकिया, डवौरा से नूरपुर आंवला-बिसौली-चंदौसी, रामपुर खुर्द से गोला खेड़ा, नवाबगंज-कल्याणपुर गेला, क्योलड़िया-सुनदरी, कल्याणपुर-कटईया, सेंथल बरौर, भुता, बिथरी, किशनपुर, जादोपुर, बुखारा, पचपेड़ा, समेत अन्य गांव का चयन रोडवेज बस चलाने के लिए किया गया था। इस सर्वे रिपोर्ट के बाद केसरपुर के स्थानीय निवासी विपुल पटेल ने बताया है कि 2017 में रोडवेज बस का संचालन गांव तक होता था। बस बरेली से केसरपुर होते हुए नवाबगंज के लिए जाती थी और नवाबगंज से बरेली आती थी लेकिन कुछ महीने बाद बस चलना बंद हो गई। इसके अलावा नवाबगंज से सटे क्योलड़िया में भी बस सेवा नहीं होने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

> जिन गांवों में रोडवेज बसों का संचालन नहीं होता है, उनका सर्वे कराकर रिपोर्ट परिवहन निगम मुख्यालय को भेजी गई थी। मुख्यालय से भी बसों के संचालन को हरी झंडी मिल गई है। अब बसों के परमिट मिलने का इंतजार किया जा रहा है। उसके बाद बसों का संचालन शुरू कराया जाएगा। **–दीपक चौधरी, आरएम बरेली रीजन**

सभी बच्चों को अवश्य शिक्षा दिलाएं मुजीब बस्तवी

संतकबीरनगर। विकास खंड सेमरियावा के ग्राम पंचायत तिलजा स्थित मदरसा इशाअतुल उलूम में बुधवार के दिन रिजल्ट दिवस का आयोजन किया गया।इस अवसर पर परीक्षा में सफल बच्चों को रिजल्ट कार्ड वितरित किए गए।साथ ही कक्षा प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मदरसा के छात्र जाहिद हुसैन के हिफज ए कुरान मुकम्मल होने पर उपस्थित लोगों ने हौसला अफजाई करते हुए इनाम देकर सम्मानित किया। मुख्यातिथि मौलाना मोहम्मद इब्राहीम आर्गनाइजर जमीयत उलमा हिंद ने कहा कि वह माता पिता भाग्यशाली,खुश नसीब हैं जो अपने बच्चों को हाफिज ए कुरान या आलिम बनाते हैं।अल्लाह के यहां इनको बड़ा अजर मिलेगा। इस मौके पर गुफरान अहमद,सेराज अहमद हमीदी,रियाज अहमद हमीदी प्रमुख रूप से मौजूद रहे ।

संस्कार लोक गुरुकुलम का अष्टदिवसीय चतुर्थ वार्षिक महोत्सव धूमधाम से प्रारंभ

वेलकम इंडिया

वृन्दावन। चैतन्य विहार फेस-2 क्षेत्र स्थित संस्कार लोक गुरुकुलम् का अष्टदिवसीय चतुर्थ वार्षिक महोत्सव अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ प्रारंभ हो गया है।महोत्सव का शुभारभ प्रातःकाल गाजे-बाजे के मध्य निकाली गई श्रीमद्भागवतजी की भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ।तत्पश्चात यजमान परिवार द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य श्रीमद्भागवत और व्यासपीठ का पूजनअर्चन किया गया।

व्यासपीठाधीन प्रख्यात भागवताचार्य डॉ. अशोक शास्त्री महाराज अपनी सरस वाणी में देश के विभिन्न प्रांतों से आए सैकड़ों भक्तों-श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण के महात्म्य की कथा का रसास्वादन कराया। सायंकाल श्रीहनुमद् आराधन मंडल के द्वारा संगीतमय सामूहिक सुंदरकांड, श्रीहनुमान चालीसा का पाठ किया गया।साथ ही उनकी आरती की गई।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए आचार्य मारूतिनन्दन वागीश महाराज व भागवताचार्य सुरेश चंद्र शास्त्री ने कहा कि श्रीहनुमानजी महाराज समस्त सद्गुणों की खान हैं। उनमें वीरता, स्वामी भक्ति, बुद्धि-ज्ञान आदि का भंडार है।जो व्यक्ति जिस कामना से उनकी पूजा-अर्चना करता है,उसकी कामना वे निश्चित ही पूर्ण करते हैं।

श्रीहनुमद आराधन मंडल के अध्यक्ष अशोक व्यास महाराज व श्रीराधावल्लभ मन्दिर के सेवाधिकारी नवीन गोस्वामी ने कहा कि श्रीहनुमानजी महाराज भक्ति शिरोमणि हैं।कलिकाल में श्रीहनुमानजी की आराधना के बिना भगवान श्रीरामजी की भक्ति प्राप्त कर पाना असम्भव है।

भागवताचार्य डॉ. अशोक शास्त्री व वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि सुंदरकांड का पाठ सभी बाधाओं को दूर करने वाला है।इस पाठ को करने से श्रीहनुमानजी महाराज शीघ्र ही प्रसन्न होकर भक्तों को मनवांछित फल प्रदान करते हैं।

इस अवसर पर आचार्य जगदीश चंद्र शास्त्री, पण्डित रविशंकर पाराशर (बवेलेजी), आचार्य युगल किशोर कटारे, आचार्य देवांशु गोस्वामी, डॉ. अनिरुद्ध महाराज, सुधीर शुक्ला, रासाचार्य स्वामी जगदीश ठाकुरजी, राजेश पण्डित, अश्वनी मिश्र, डॉ. राधाकांत शर्मा, चेतन किशोर कटारे, युवराज श्रीधराचार्य महाराज, अच्युत कृष्ण, मुख्य यजमान श्रीमती मीरा - सुरेन्द्र अग्रवाल, श्रीमती बीनू - दीपक मुरारका, विशेष सहयोगी भक्तिमती सुशील गुप्ता, भक्तिमती मीरा केडिया एवं श्रीमती सुमन तथा समस्त गोपिका मण्डल (बैंगलुरु) आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। महोत्सव का समापन संत ब्रजवासी वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारे के साथ हुआ।

एएच इंटर कालेज पैडी.ने बुनियाद में फहराया परचम

संतकबीरनगर। विकास खंड सेमरियावा के ए एच इंटर कालेज पैडी.के प्रबंधक सुहेल अहमद ने बुनियाद प्रतिभा खोज परीक्षा के सफल प्रतिभागियों का ए एच इंटर कालेज पैडी.में विद्यालय के प्रबंधक सुहेल अहमद ने मिठाई खिलाकर एवं फूल माला पहनना उत्साह वर्धन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत, निश्चित लक्ष्य, आधुनिक जानकारियों से अपडेट रहना सफलता के लिए जरूरी है। पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम का कथन है कि सपने वह नहीं होते जो सोते समय देखे जाते हैं बल्कि सपने वह हैं जो सोने न दें। प्रबंधक सुहेल अहमद ने बताया कि कक्षा 6ई में प्रथम स्थान अब्दुल्लाह सुरेम, द्वितीय स्थान अर्सलान अहमद कक्षा 7, प्रथम स्थान कक्षा 8 अबू वैस ने आर्जित किया।इसके अलावा 22 बच्चों. ने रैंक हासिल कर विद्यालय का मान बढ़ाया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य मुस्ताक अहमद इरशाद अहमद मोहम्मद अहमद रिजवान अहमद अभिषेक शर्मा कारी कमाल अहमद सुमैया खातून सबीहा खातून मंतशा खातून अदीबा नदिया राबिया नसीमा यासमीन सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

गौ सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं : डॉ.शंभू पंवार

वेलकम इंडिया

नई दिल्ली। गौ सेवक, वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर, अंतरराष्ट्रीय लेखक, पत्रकार-विचारक डॉ. शम्भू पंवार ने कहा कि हिंदू धर्म में गौ सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। इनकी जितनी सेवा की जाए उतनी कम है। सनातन संस्कृति में गौमाता को विशेष स्थान दिया गया है।गौ माता में 33 करोड़ देवी देवताओं का वास होता है।इसलिए गौ माताओं की सेवा करने से परिवार में सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है ।

डॉ शंभू पंवार ने उक्त विचार श्री कृष्ण गौ शाला चिड़ावा में व्यक्त किए। वे आज अपने पिताजी की पुण्य तिथि पर गौ शाला में गौमाताओ को गुड, आहार खिलाया। डॉ शम्भू पंवार ने कहा कि गौ माता की सेवा करना चार धाम की यात्रा करने के समान है। उल्लखेनीय है कि डॉ पंवार सामाजिक सरोकारों में महती भूमिका रखने के साथ साथ सच्चे गौ सेवक है। वे अपने या परिवार में किसी भी सदस्य के जन्मदिन पर गौ शाला जा कर गौमाताओ को एक बोरी दलिया, गुड़ खिलाते है। इतना ही नही अपने पिता व माता की पुण्य तिथि पर भी गोमाताओ को गुड़, दलिया खिलाने की अनूठी परंपरा काफी समय से चला रहे है। इस अवसर पर अनुज सुभाष पंवार,पुत्र अभिषेक पंवार, एवम पोत्री यशस्वी ,यशु पंवार भी साथ में थी। डॉ पंवार जब भी गौ शाला में जाते है तो अपने भाई, पुत्र व पौत्री को साथ लेजाते है ताकि परिवार में भी सनातन संस्कृति के अनरूप गौ माताओ के महत्व समझे ओर उनका सम्मान करें।ताकि उनकी परम्परा को बच्चे आगे भविष्य में निभाते रहे।

सैटलाइट बस अड्डे पर एक महिला ने रोडवेज के बस ड्राइवर को दौड़ा-दौड़ाकर चप्पल और डंडे से पीटा

वेलकम इंडिया/चरन सिंह

बरेली। सैटेलाइट बस अड्डे पर बुधवार सुबह एक रोडवेज बस चालक की लापरवाही उसको उस समय खुद ही भारी पड़ गई जब उस बस चालक ने एक ऑटो को टक्कर मार दी, जिससे ऑटो पलटने से तो बच गया, लेकिन उसमें बैठी सवारियों की जान खतरे में पड़ गई। जिससे गुस्साई ऑटो में बैठी एक महिला ने बस चालक को चप्पल और डंडे से जमकर पीटना शुरू कर दिया।

घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने भी ड्राइवर को बचाने की कोशिश की, लेकिन महिला बस चालक को लगातार चप्पल और डंडे से पीटती रही। आपको बता दें कि ये घटना बरेली के सैटेलाइट बस स्टैंड के ओवरब्रिज के पास की है, प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रोडवेज बस की रफ्तार काफी तेज थी और इसी दौरान उसने एक ऑटो को टक्कर मार दी। उस समय ऑटो में कई सवारियां बैठी थीं, लेकिन संयोगवश बड़ा हादसा टल गया।

इस दौरान ऑटो में बैठी एक महिला अचानक ऑटो से बाहर आई और गुस्से में बस चालक को चप्पल से पीटना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, महिला ने डंडे से भी बस चालक की पिटाई कर दी। महिला का कहना था कि चौराहे जैसी भीड़भाड़ वाली जगह पर भी बस चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। अगर ऑटो पलट जाता तो उसमें बैठी सवारियों को गंभीर चोट लग सकती थी। महिला के मुताबिक, जब उसने बस चालक से लापरवाही को लेकर शिकायत की, तो वह बहस करने लगा था और अभद्र भाषा का इस्तेमाल भी कर रहा था। इसके बाद महिला ने बस चालक को पकड़कर जमकर पीटा।

गोविन्द धाम में सप्त दिवसीय अष्टोत्तरशत(108) श्रीमद्भागवत कथा यज्ञ महोत्सव 22 फरवरी से

वृन्दावन। चैतन्य विहार, फेस - 2 स्थित गोविन्द धाम आश्रम में दिव्य अध्यात्म राष्ट्र सेवा मिशन व दिव्य श्रीराधा सखी मंडल,वृन्दावन (मातृशक्ति संगठन शाखा) के तत्वावधान में महा शिवरात्रि के पावन अवसर पर सप्त दिवसीय अष्टोत्तरशत (108) श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ महोत्सव दिनांक 22 से 28 फरवरी 2025 पर्यन्त अत्यन्त श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ आयोजित किया गया है। जानकारी देते हुए डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया है कि महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन प्रातःकाल 06 से मध्यान्ह 12 बजे तक वेदाज्ञ ब्राह्मणों के द्वारा श्रीमद्भागवत मूल पाठ किया जाएगा। इसके अलावा अपराह्न 03 से सायं 06 बजे तक प्रखर राष्ट्र चिन्तक श्रद्धेय डॉ. अनिरुद्ध महाराज अपनी मधुर वाणी के द्वारा देश-विदेश से आए समस्त भक्तों-श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण की अमृतमयी कथा का रसपान कराएंगे। डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया कि महोत्सव का समापन 28 फरवरी को मध्याह्न 01 बजे हवन पूर्णाहुति व भंडारा प्रसादी के साथ होगा।इस अवसर पर संत, ब्रजवासी, वैष्णव आदि को कम्बल सेवा भी की जाएगी। महोत्सव के मुख्य यजमान पुरुषोत्तम सिंह व श्रीमती आशी सिंह (लखनऊ) ने सभी से इस महोत्सव में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

भोलेनाथ की शोभायात्रा की तैयारी जोरो पर

वेलकम इंडिया

मथुरा/छाता। नगर के प्राचीन रत्नेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करेगी महाशिवरात्रि पर निकलने वाली पंचम विशाल भोलेनाथ जी की शोभायात्रा की तैयारी जोरो पर है, जिसमें नंदी पर सवार होकर सभी नगर वासियों को बाबा भोलेनाथ पार्वती जी के साथ दर्शन देंगे।

शोभायात्रा में बैंड बाजे के साथ विभिन्न प्रकार की झांकियां भी शामिल होंगी। मंदिर सेवायत गौरव अविरल शास्त्री ने बताया हर वर्ष निकलने वाली शोभायात्रा बड़ी ही धूमधाम से निकाली जायेगी जिसमें सैकड़ों महिला पुरुष भक्त जन सम्मिलित होंगे। उपस्थित जन में गौरव अविरल शास्त्री, शुभम वार्ष्णेय, गगन वार्ष्णेय, पवन सोनी, निखिल वार्ष्णेय, जयंत, अंकित वार्ष्णेय, गौरव गुप्ता, टोनी गुप्ता, चेतन कृष्ण, चेतन प्रकाश आदि बैठक में शामिल हुए।

बिजली विभाग के एक्सईएन का वेतन रोकने के साथ एसीएम फर्स्ट और नायब तहसीलदार को जारी किया गया कारण बताओं नोटिस

वेलकम इंडिया/चरन सिंह

बरेली। राजस्व वादों और शिकायतों के निस्तारण में अफसर फिर लापरवाह साबित हुए हैं। जनवरी में एसीएम फर्स्ट ने एक भी वाद का निपटारा नही किया वहीं नायब तहसीलदार ने भी जनवरी महीने में दर्ज वादों के निस्तारण में कोई रुचि नहीं ली। इसका संज्ञान लेते हुए दोनों ही अफसरों को बरेली के जिलाधिकारी द्वारा चेतावनी जारी कर जवाब तलब किया गया है।

यही नही बिजली विभाग के प्रथम ग्रामीण खंड के एक्सईएन के खिलाफ आईजीआरएस की शिकायतों के निस्तारण में सर्वाधिक असंतुष्ट फीडबैक मिलने पर अगले आदेश तक उनका भी वेतन रोक दिया गया है। आपको बता दें कि बरेली के जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने 17 फरवरी को एसीएम फर्स्ट देश दीपक सिंह को एक चेतावनी पत्र जारी किया है। जिसमें जिलाधिकारी ने 12 फरवरी को की गई समीक्षा बैठक के तथ्यों का जिक्र करते हुए कहा है कि जनवरी में धारा-24, धारा 116 के साथ किसी और वाद का भी निस्तारण नहीं किया गया। इन श्रेणियों में क्रमशः 5, 26 और 56 वाद न्यायालय में लंबित हैं। डीएम ने इसको लेकर एसीएम फर्स्ट से तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण तलब किया है, और कहा है कि राजस्व वादों के समयबद्ध निस्तारण के लिए मुख्यमंत्री की निरंतर समीक्षा बैठकों, राजस्व परिषद के निदेशों और खुद उनके स्तर पर मासिक समीक्षा में निर्देश जारी करने के बावजूद यह लापरवाही क्यों की जा रही है। इसकी के साथ जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने नायब तहसीलदार (बल्लिया) राकेश त्रिवेदी को जारी चेतावनी पत्र में मासिक समीक्षा बैठक में 31 जनवरी तक धारा 34 के जनवरी में दायर 90 वादों के सापेक्ष सिर्फ 20 वादों के निस्तारण पर नाराजगी जताई है और उनसे भी तीन दिन में स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं विद्युत वितरण खंड ग्रामीण प्रथम मनोज कुमार के स्तर पर आईजीआरएस की सर्वाधिक शिकायतें लंबित होने के साथ सर्वाधिक असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त होने पर उनका वेतन रोक दिया गया है।

राजस्व परिषद अध्यक्ष के निर्देश पर अपर आयुक्त प्रशासन प्रीति जायसवाल ने मंडल के सभी जिलों के जिलाधिकारियों को चिट्ठी लिखकर तहसीलदार और नायब तहसीलदार न्यायालयों में उप्र भू-राजस्व अधिनियम की धारा 34/35, धारा 33/39, राजस्व संहिता की धारा 32/38 और धारा 33/35 के वादों के निस्तारण पर निरीक्षण कर नजर रखने का निर्देश दिया है साथ ही निरीक्षण की आख्या भी मांगी गई है।

सात जिंदा कारतूस के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

चदंपा। (हाथरस) पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा हाथरस के आदेशानुसार चलाये जा रहे गश्त-चैकिंग अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक हाथरस के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सादाबाद के निकट पर्यवेक्षण में थाना चन्दपा पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान कार्यवाही करते हुए एक अभियुक्त को बस स्टॉप के पास से गिरफ्तार किया गया है ।जिसके कब्जे से तीन जिंदा कारतूस 315 बोर, चार जिंदा कारतूस 12 बोर बरामद हुए है ।पुलिस ने अभियुक्त विनय कुमार पुत्र सतीश चन्द निवासी गाँव बाढौन थाना राया जनपद मथुरा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रतन पार्क से निकाला गंदा पानी

वेलकम इंडिया

■ 75 लाख के सोलर स्टेशनों के अनुपयोगी होने की खबर का असर

मथुरा। 39 करोड़ की परफॉर्मेंस ग्रांट वाली ग्राम पंचायत अड़ींग में बेकार पड़े करीब 75 लाख के सोलर स्टेशन एवं आरो प्लांट की सुध किसी ने नहीं ली लेकिन 1 साल से गंदे पानी में से निकलने को विवश लोगों को राहत मिल गई। यह काम सुर्खियों में आने चलते जल्दी किया गया क्योंकि डर है कि जांच टीम आदि आई तो जवाब दते नहीं बनेगा।

उल्लेखनीय है कि गोवर्धन तहसील क्षेत्र स्थित हरि ग्राम पंचायत में चालू पंचवर्षीय योजना में 39 करोड़ की परफॉर्मेंस ग्रांट से विकास कार्य चल रहे हैं। डीपीआरओ किरण चौधरी के निर्देशन में धन को अति शीघ्र खर्च करने पर जोर रहा। इसके चलते अनेक अनियमितताएं भी सामने आने लगी हैं। 28 लाख के दो आर ओ एवं 80 किलोवाट के सोलर स्टेशनों में से कोई के खराब होने तथा 46 लाख की सोलर हाईमास्ट लाइटों के अनुपयोगी होने की खबर के सुर्खियों में आने के बाद पंचायत के जिम्मेदार हरकत में आए। रतन पार्क इलाके के लोग एक साल से दंश झेल रहे थे। पानी का निकास होने से गंदगी भी खत्म हो गई। लोगों ने राहत की सांस ली है। आर ओ प्लान्टों के संचालन, सोलर स्टेशन व हाईमास्ट लाइटों के ठीक होने का लोग इन्तजार कर रहे हैं। घपलों की ग्रामीणों ने मुख्य सचिव, मण्डलायुक्त व डीएम से की है।

डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा वितरित की गई हाइजीनिक किट

वेलकम इंडिया/चरन सिंह

बरेली। बेसिक शिक्षा परिषद के 100 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को विकास भवन सभागार में आयोजित डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य विकास अधिकारी जग प्रवेश, संयुक्त शिक्षा निदेशक राकेश सिंह तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय सिंह की उपस्थिति में डेटॉल हाइजीनिक से संबंधित किट वितरित की गई। किट में जहां डेटॉल के छोटे साबुन दिए गए वहीं पर उससे संबंधित पुस्तक का भी वितरण भी किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रभारी मंजीत सिंह तथा सहयोगी योगेंद्र पटेल भी मौजूद रहे। खचाखच भरे सभागार में सबसे पहले कार्यक्रम के बारे में टीम प्रभारी ने विस्तार से बताया, उसके बाद वीडियो के माध्यम से स्वच्छता संबंधी जानकारी साझा की गई।

इस अवसर पर स्वच्छता संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम के संदर्भ में उपस्थित सभी प्रधानाध्यापकों को डेटॉल हाइजीनिक किट के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, उसके उपरांत मुख्य विकास अधिकारी जग प्रवेश, संयुक्त शिक्षा निदेशक तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को स्मृति चिन्ह और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। इस मौके पर शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष नरेश गंगवार को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया, उसके उपरांत मुख्य विकास अधिकारी ने सबसे पहले कंपोजिट विद्यालय जोगीठेर के प्रधानाध्यापक राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक लाल बहादुर गंगवार को बुलाकर डेटॉल हाइजीनिक किट प्रदान की, उसके उपरांत बारी-बारी से समस्त प्रधानाध्यापकों को संबंधित किट बॉक्स प्रदान किए गए।

नये ट्रैफिक प्लान से जाम और अतिक्रमण मुक्त हुआ दानघाटी मंदिर मार्ग

वेलकम इंडिया

मथुरा/गोवर्धन। उत्तर प्रदेश में जहाँ एक ओर सभी प्रमुख तीर्थ स्थल भारी भीड़ के चलते अतिक्रमण और ट्रैफिक जाम के झाम को झेल रहे हैं वहीं दूसरी ओर गोवर्धन में गिरिराज जी दानघाटी मंदिर मार्ग को इन दोनों समस्याओं से निजात मिल गयी है।

नवागत गोवर्धन थाना प्रभारी आईपीएस गोल्डी गुप्ता ने गोवर्धन थाने का चार्ज संभालने के बाद नया ट्रैफिक प्लान बनाया। जिसमें सौंख अड्डा तिराहा से ई रिक्शा व बाहरी गाड़ियों को डायवर्जन करके सौंख मार्ग की ओर निकला गया। डीग अड्डा पर वाहनों को डायवर्जन करके बरसाना रोड़ और डीग मार्ग की ओर निकाला जा रहा है। इसके साथ ही प्रशासन के साथ मिलकर सड़कों पर लगे अतिक्रमण को हटवा दिया गया है। जिससे गोवर्धन कस्बा में सौंख अड्डा से डीग अड्डा तक अतिक्रमण और जाम से श्रद्धालुओं व आमजनों को राहत मिली है। गोवर्धन थाना प्रभारी आईपीएस गोल्डी गुप्ता ने वार्ता में बताया कि महिला सुरक्षा, बाल अपराध और साइबर क्राइम की रोकथाम करना उनकी प्राथमिकता पर है। स्थानीय लोग किसी भी अपराध एवं आपराधिक गतिविधि की सूचना सीधे उनके सरकारी मोबाइल नंबर 9454403940 पर दे सकते है। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गुप्त रखा जाएगा। स्थानीय लोगों व दुकानदारों से अपेक्षा है कि ट्रैफिक व्यवस्था और अतिक्रमण हटाने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

युवक की मौत के मामले में ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

कांधला। थाना क्षेत्र के भारसी मोड़ के निकट एक सप्ताह पूर्व अज्ञात ट्रैक्टर की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया था। पुलिस ने मृतक युवक के चाचा की की तहरीर पर अज्ञात ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर चालक की तलाश शुरू कर दी है। सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव खेड़ी करमू निवासी 25 वर्षीय विशाल पुत्र राकेश गत मंगलवार 11 फरवरी की शाम को अपनी बाइक पर सवार होकर दिल्ली जा रहा था। जैसे ही युवक क्षेत्र के गांव भारसी मोड पर पहुंचा तो बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी।वाहन चालक अपने वाहन को लेकर मौके से फरार हो गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक युवक के शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया है।

कौसानी में छात्रों ने सीखे उद्यमिता के गुर

वेलकम इंडिया

गरुड़। देवभूमि उद्यमिता योजना के बारह दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) के तहत सुमित्रानंदन पंत राजकीय महाविद्यालय गरुड़ के छात्रों ने कौसानी में औद्योगिक भ्रमण किया। छात्रों ने अनाशक्ति आश्रम, शॉल फैक्ट्री और चाय फैक्ट्री का दौरा कर स्थानीय उद्योगों की बारीकियों को समझा।

आश्रम में स्वावलंबन और सतत विकास के सिद्धांतों से प्रेरणा लेने के बाद शॉल फैक्ट्री में छात्रों ने पारंपरिक कला और आधुनिक तकनीक का समन्वय देखा। चाय फैक्ट्री में उत्पादन प्रक्रिया, ब्रांडिंग और विपणन की जानकारी मिली।

जिला समन्वयक विनय यादव ने कहा कि यह भ्रमण युवाओं को क्षेत्रीय संसाधनों और उद्यमिता के अवसरों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण है। प्राचार्य डा. शिवप्रकाश राय ने छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान को व्यवसाय में बदलने की सलाह दी। छात्रों ने संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस अनुभव ने उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया है। समापन 20 फरवरी को होगा।

इस दौरान ललित चौबे, डा. लता, डा. उर्वशी टम्टा, डा. प्रियंका यादव, कविता बोरा, दीपा, दीपांशु आदि मौजूद थे।

विधायक रेखा गुप्ता को भाईजी सोनी ने उनका स्केच भेट किया

नई दिल्ली। श्री मैड क्षत्रिय स्वर्णकार समाज दिल्ली के युवा नेता एवं आर्टिस्ट लक्ष्मीकांत सोनी, भाईजी ने शालीमार बाग विधानसभा से कर्मठ और जुझारू भाजपा विधायक रेखा गुप्ता को उनका स्केच भेट किया। श्री सोनी ने कहा कि विधायक रेखा गुप्ता जी अपने विधानसभा क्षेत्र में आमजन की समस्या के लिए निष्पक्ष रूप से हर समय तैयार रहती है इसलिए वे क्षेत्र में बहुत लोकप्रिय है। इनके कुशल और कर्मठ नेतृत्व में क्षेत्र का उतरोतर विकास होगा।

विद्यालय में शतप्रतिशत हाजिरी वाले छात्र छात्राएं हुई सम्मानित

संतकबीरनगर। नाउन खुर्द में स्थित मदरसा मांबा उल उलूम में वार्षिक परीक्षा सम्पन्न होने के बाद वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया।छात्र छात्राओं ने कलाम पाक की तिलावत, हम्द पाक, नात पाक और सामाजिक बुराइयों, अंधविश्वास कुरीतियों पर भाषण देकर अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाए। इस अवसर मुख्यातिथि सरफराज अहमद ने विद्यालय में शतप्रतिशत उपस्थित रहने वाली छात्रा मदीहा इरम, मिस्बाह, हफसह खातून को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।साथ सभी कक्षाओं में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मति किया। इस अवसर पर मौलाना अली अहमद कासमी, उमेद जमाँ, मौलाना वसी अख्तर कासमी, अब्दुल वहीद, अहमद अली, मौलाना इनमुल्लाह, खुदैजा खातून आदि ने बच्चों की सफलता पर खुशी का इजहार किया।

आधा दर्जन युवकों पर मारपीट कर कानों के कुंडल और नगदी छीन ले जाने का आरोप

कांधला। बागपत जनपद के गांव हलालपुर निवासी एक दंपति ने आधा दर्जन से अधिक युवकों पर क्षेत्र के गंगेरू मार्ग ईंट भट्टे के समीप मारपीट कर कानों के कुंडल एवं हजारों की नगदी छीन कर ले जाने और महिला ने उसके पति को जबरदस्ती दारू पिलाकर पीड़िता के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाते हुए आरोपियों को के विरुद्ध तहरीर दी दी है। पुलिस जांच में जुटी हुई है। बुधवार को बागपत जनपद के छपरौली थाना क्षेत्र के गांव हलालपुर निवासी एक महिला ने बताया कि पीड़िता गत 16 फरवरी की शाम को मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने पति एवं 3 वर्ष के मासूम बच्चे को लेकर गंगेरू से होते हुए अपने गांव जा रहे थी। जैसे ही पीड़ित क्षेत्र के गंगेरू मार्ग ईंट भट्ठे के समीप पहुंचे तो आधा दर्जन से अधिक युवकों ने उनकी बाइक को रोक लिया।

टाण्डा में बंदरों के आतंक से लोग परेशान, निजात दिलाने की मांग

वेलकम इंडिया

टाण्डा जिला रामपुर। नगर में बंदरों की बढ़ती संख्या और इनके आतंक से नगरवासी परेशान हैं।बंदर घरों में घुसकर सामान को नुकसान पहुंचा रहे हैं।लोगों पर हमलावर हो रहे हैं।छतों पर सूखाने के लिए डाले गए कपड़ों को फाड़ देते हैं या फिर कहीं ले जाकर फेंक देते हैं।बंदरों के आतंक के चलते बच्चों ने घरों के बाहर और छतों पर खेलना बंद कर दिया है।नगरवासियों ने पालिका प्रशासन से बंदरों को पकड़वाकर आबादी से बाहर किसी सुरक्षित स्थान पर छोड़े जाने की मांग की है। नगर में बंदरों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

बंदरों के झुंड के झुंड नगर में हर जगह देखे जा सकते हैं।दिन हो या रात बंदर जमकर उत्पात मचा रहे हैं।बंदर घरों में घुसकर भोज्य पदार्थ सहित अन्य कीमती सामान को नुकसान पहुंचा रहे हैं।बंदरों के झुंड छतों पर सुखाने के लिए डाले गए कपड़ों को फाड़ देते हैं या उन्हें कहीं ले जाते हैं।बंदर छतों पर रखे पानी के टैंकों को भी क्षतिग्रस्त कर रहे हैं।

नगरवासी पहले से ही आवारा और खूंखार कुत्तों की समस्या से परेशान थे,उनसे अभी निजात भी नहीं मिली थी कि अब बंदरों का आतंक और मुसीबत बन गया है। यह न केवल लोगों की सुरक्षा और सामान आदि के लिए खतरा है, बल्कि इससे बच्चों, बुजुर्गों और आम नागरिकों की दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है।नगरवासियों ने पालिका प्रशासन और वन विभाग से उत्पाती बंदरों से निजात दिलाने की मांग की है।

समाजसेवी सरताज जहां रहमानी का कहना है कि नगर में बंदरों की बढ़ती संख्या से लोग बेहद परेशान हैं।बंदर न सिर्फ घरों में घुसकर सामान को नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी खतरा बन रहे हैं। वन्यजीव पकड़ने वाली प्रशिक्षित टीम को बुलाकर बंदरों को सुरक्षित रूप से पकड़वाकर कहीं सुरक्षित स्थान पर छुड़वाया जाना जरूरी है।

व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष हाजी शकील का कहना है कि नगरवासी पहले से ही आवारा और खूंखार कुत्तों के आतंक से परेशान थे।अब बंदरों की बढ़ती संख्या ने परेशानी में और इजाफा कर दिया है।नगरवासियों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है।इनको पकड़वाकर सुरक्षित स्थान पर छुड़वाया जाए।

बीकॉम संकाय की छत से गिरकर छात्र हुआ घायल

वेलकम इंडिया

बागेश्वर। बीडी पांडे परिसर के बीकॉम संकाय भवन की छत से चक्कर आने से गिरकर घायल हुए बीए द्वितीय वर्ष का एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया।जिसके बाद छात्र के गिरने की सूचना मिलते ही आसपास मौजूद सभी साथी उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में लाए। घायलावस्था में उसे जिला चिकित्सालय में उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है। वह केंपस परिसर के खेल मैदान में चल रहे मैच देखने के लिए छत पर गया था। उतरते समय वह असंतुलित हो गया और नीचे गिर गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीडी पांडे परिसर के बीकॉम संकाय भवन की छत से बीए द्वितीय वर्ष का छात्र 18 वर्षीय हिमांशु कुमार पुत्र चनर राम गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया था। अपने कुछ साथियों के साथ कैंपस खेल मैदान में चल रहे मैच देखने के लिए छत में चढ़ा था, अचानक युवक असंतुलित होकर छत से नीचे जा गिरा, जिसमें युवक के सिर में गंभीर चोट आई है युवक का इलाज कर रहे डॉक्टर भूपेंद्र घाटियाल ने बताया कि युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। युवक के सिर में गंभीर चोट है युवक की हालत को देखते हुए युवक को हायर सेंटर रेफर कर दिया है। युवक के साथियों ने हायर सेंटर ले जाते समय रास्ते मे एम्बुलेंस खराब होने, सूचना के बाद भी समय से एंबुलेंस सेवा नही मिल पाने पर नाराजगी जताते हुए रास्ते मे इलाज में देरी होने पर घायल छात्र के साथ अनहोनी होने पर लचर स्वास्थ व्यवस्था को जिम्मेदार बताते हुए इसकी पूरी जिम्मेदारी लेने की बात कहते हुए सवालिया निशान उठाए।

आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने जिला मुख्यालय में दिया धरना

वेलकम इंडिया

बागेश्वर। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संगठन ने अपनी समस्याओं का समाधान नही होने पर प्रदेश संगठन के आह्वाहन पर बाल विकास अधिकारी कार्यालय में एकदिवसीय धरना दिया।और अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की मांग उठाई। जिसके बादआंगनबाड़ी, कार्यकर्ती, सेविका, सहायिकामिनी संगठन की जिला अध्यक्ष भगवती जोशी के नेतृत्व में एकदिवसीय धरना दिया।और विभागीय अधिकारियों और शासन स्तर पर अपनी पूर्व लंबित मांग को पूरा किए जाने की मांग की। जिसके बाद संगठन पदाधिकारियों ने

बाल विकास अधिकारी को अपनी समस्याओं का ज्ञापन सौंपा और जल्द समस्या का समाधान किए जाने की मांग की।वही पूर्व में विभागीय मंत्री से अपनी समस्याओं को लेकर वार्ता करने हेतु समय मांगने के बाद भी समय नही दिए जाने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ती संगठन की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए शीघ्र समस्याओं का समाधान नही करने पर कार्यबहिष्कार और धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी।

इस दौरान धरना देने वालों मेंगरुड़ ब्लाक अध्यक्ष नीमा गोस्वामी, चंपा अल्मीया, कमला दानू, दीपा देवी, शारदा रावत आदि मौजूद थे।

आगामी 08 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों के दृष्टिगत प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक हुई आयोजित

वेलकम इंडिया

संतकबीरनगर। जनपद न्यायाधीश महेन्द्र प्रसाद चौधरी के निर्देशन में आगामी 08 मार्च 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के तैयारियों के दृष्टिगत जनपद के समस्त प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जनपद न्यायालय सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता मा0 अपर जनपद न्यायाधीश-पॉस्को/नोडल अधिकारी लोक अदालत कृष्ण कुमार-(पंचम) द्वारा किया गया।

बैठक में नोडल अधिकारी ने समस्त प्रशासनिक अधिकारियों से आवाहन किया कि वह अपने-अपने विभाग एवं कार्यालय में दिनांक 08 मार्च 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन कर ज्यादा से ज्यादा वादों एवं मामलों का निस्तारण करवाने का प्रयास करें। कलेक्ट्रेट से प्रभारी अधिकारी अपर उप जिलाधिकारी उत्कर्ष श्रीवास्तव द्वारा बताया गया की राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित समस्त तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं तथा ज्यादा से ज्यादा वादों एवं मामलों का निस्तारण के लिए प्रयास किया जा रहा है। पुलिस विभाग से अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि न्यायालय से प्राप्त हो रहे हैं नोटिसों को तामिला करवाया जा रहा है एवं समस्त थानों के पैरोकारों को ज्यादा से ज्यादा नोटिस तामिला करवाने हेतु निर्देशित किया गया है।

अपर जिला जज पॉस्को/नोडल अधिकारी लोक अदालत कृष्ण कुमार-(पंचम) ने कहा कि आगामी 08 मार्च 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए आप सभी अधिकारियों से सहयोग की अपेक्षा है।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 रामानुज कन्नौजिया, जिला आबकारी अधिकारी संजय कुमार, ए0आर0टी0ओ0 प्रियंवदा सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी महेन्द्र कुमार, जिला बाट माप अधिकारी वी0पी0 वर्मा सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

डॉ0 संदीप ने भगवान के स्वरूपों को तिलक कर कलश यात्रा को दिखाई हरी झण्डी

वेलकम इंडिया

झाँसी। शंकर सेवा समिति के तत्वाधान में जनपद के रक्सा क्षेत्र स्थित रामगढ़ में शिव मंदिर पर महाशिवरात्रि की पावन उपलक्ष्य पर सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन रक्सा क्षेत्र के समस्त क्षेत्रवासियों के सहयोग से किया जाता है इस मंदिर की एक विशेषता है यहाँ हर शिवरात्रि पर भगवान भोलेनाथ नाग देवता के रूप में प्रकट होकर समस्त जनता को दर्शन देते हैं तथा किसी भक्त को कोई नुकसान नहीं पहुंचाते।

इस आयोजन में कथा के अतिरिक्त महाशिवरात्रि देव दर्शन, विशाल भंडारा व कन्याओं का सामूहिक विवाह भी आयोजित होगा। 19 फरवरी से प्रारंभ हुआ यह कार्यक्रम 26 फरवरी को विशाल भंडारे के साथ समाप्त होगा। उक्त कार्यक्रम की जानकारी कार्यक्रम आयोजक पुजारी कालीचरण महाराज ने दी।

कार्यक्रम के प्रथम दिन की शुरूआत विशाल कलश यात्रा के साथ की गई, इस यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक डॉक्टर संदीप सरावगी उपस्थित रहे। यात्रा में दो बग्घियों पर विभिन्न भगवानों के स्वरूप एवं कथा व्यास मनोज चतुवेर्दी विराजमान होकर यात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे।कार्यक्रम में कथा परीक्षित के रूप में ज्योति एवं प्रदीप तोमर उपस्थित रहे।, यात्रा में वीरू भईया, प्रमोद जाटव, दीपक जाटव, जीतू भैया, अनूप आनंद, सत्येंद्र, कामता, प्रभु दयाल, लक्ष्मण, जितेंद्र, जगदीश राजेंद्र राजपूत, राममिलन, रवि राजपूत, पवन जाटव, मोहित, अनूप का भी प्रमुख योगदान रहा।

हाथरस होकर निकलेंगे शिव भक्तों के जत्थे

डीएम व एसपी ने कांवड़ मार्ग का निरीक्षण कर परखे सुरक्षा के इंतजाम और कावंडियों के ठहरने के शिविरों में हर सुविधा उपलब्ध कराने के दिये निर्देश

वेलकम इंडिया

हाथरस। जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा महाशिवरात्रि पर्व-कांवड यात्रा के दृष्टिगत कांवडियों के मुख्य आवागमन सिकन्द्राराऊ-हाथरस मार्ग का भ्रमण-निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान उपजिलाधिकारी गण, क्षेत्राधिकारी गण, समस्त थाना प्रभारी, एनएचएआई व अन्य विभागो के अधिकारी-कर्मचारीगण मौजूद रहें।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा भ्रमण के दौरान कांवडियों के आने-जाने वाले रुट का भ्रमण किया गया तथा रुट में पर्याप्त पुलिस प्रबन्ध करने हेतु व उन्हें सतर्कता के ड्यूटी करने तथा कावडियों को सामूहिक रूप से जत्थों में रवाना करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत कांवड़ियों के आने-जाने वाले रास्तों पर पर्याप्त पुलिस व प्रशासन अधिकारी-कर्मचारीगणो की ड्यूटी लगायी जायेगी तथा आने-जाने वाले कांवड़ियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो उसके लिये जगह जगह कैम्प बनाये जायेगे। कैम्पों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाओं यथा विद्युत, पानी, स्वअल्पाहार आदि की व्यवस्था की जायेगी। साथ ही पुलिस अधीक्षक हाथ ?स द्वारा मुख्य चौराहो पर कांवड़ियों के आने-जाने व यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु चौबीस घंटे आवश्यकतानुसार पुलिस बल को तैनात करने के निर्देश दिए गये। साथ ही बरेली-कासगंज-मथुरा मार्ग पर कांवडियों व भक्तजनों की काफी संख्या में भीड होने के कारण कांवडियों व आमजनमानस की सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को दृष्टिगत रखने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा कांवड यात्रा के दौरान रास्ते में पड़ने वाले गड्ढे को भरने, बिजली की व्यवस्था हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। तथा कावंडियों के ठहरने एवं सूक्ष्म जलपान हेतु बने शिविरों में प्रकाश, पानी, बैठने के लिए कुर्सी व आराम करने हेतु चारपाई-गद्दे, प्राथमिक चिकित्सा, जलपान, स्वल्पाहार, साफ-सफाई, आदि की समुचित व्यवस्था हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। कांवड यात्रा के दृष्टिगत जनपद में सुरक्षा व्यवस्था के चाक-चौबंद इंतजाम किये गए है, सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों एवं पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगायी जायेगी। साथ ही जनपद में जगह-जगह बैरियर लगाकर संदिग्ध व्यक्ति-वाहनों की सघनता से चेकिंग की जायेगी तथा आने-जाने वाले कावडियों का समुचित मार्गदर्शन किया जायेगा। हाथरस पुलिस एवं प्रशासन जनपद में कांवड यात्रा के दृष्टिगत चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने हेतु कटिबद्ध है।

एएसपी ने थाना हाथरस गेट के हवालात पुलिस व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया

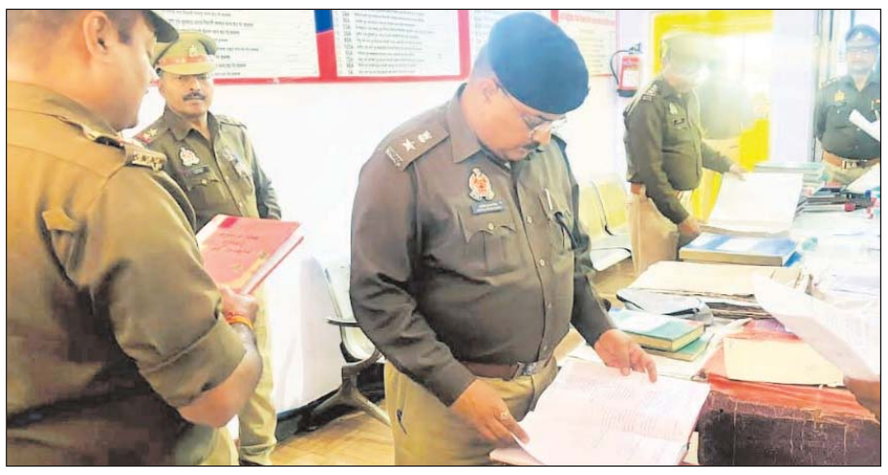

हाथरस। अपर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार द्वारा थाना हाथरस गेट का वार्षिक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान प्रभारी निरीक्षक थाना हाथरस गेट विजय सिंह तथा थाने के अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहें । निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक हाथरस द्वारा थाना कार्यालय, कम्प्यूटर कक्ष, हवालात, मालखाना, महिला हेल्प डेस्क, थाना परिसर का भ्रमण किया गया ।निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय में अभिलेखों को चैक किया एवं अभिलेखों के रखरखाव की स्थिति देखी गई तथा प्रभारी निरीक्षक थाना हाथरस गेट व मौजूद कर्मियों को अभिलेखों के रखरखाव के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये ।इसके साथ ही मालखाने के निरीक्षण के दौरान शस्त्रों के खरखाव की स्थिति देखी तथा सम्बन्धित को समय से शस्त्रों की साफ-सफाई कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया । अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना परिसर एवं थाना भवन का निरीक्षण किया गया तथा बेहतर साफ-सफाई एवं रखरखाव हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । निरीक्षण के दौरान थाना परिसर में मुकदमों से सम्बन्धित माल के वाहन खडे मिले, जिनके निस्तारण के सम्बन्ध में प्रभारी निरीक्षक थाना हाथरस गेट को निर्देशित किया गया ।साथ ही अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रभारी निरीक्षक थाना हाथरस गेट को थाने पर आने वाले आगन्तुको की शिकायत बड़ी ही शालीनता के साथ सुनकर उनका त्वरित निस्तारण करने हेतु तथा नियमित रूप से बैक,एटीएम, वित्तीय एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों की चैकिग करने व एन्टी रोमियो टीम को सक्रिय रखते हुए स्कूल,कॉलेज व संस्थानो पर चैकिंग करने हेतु निर्देशित किया गया ।साथ ही सभी पुलिसकर्मियों को महिला सम्बंधी अपराधों को अत्यंत संवेदनशीलता से लेने हेतु हिदायत दी गयी ।

पीड़ित पति पत्नी पहुंचे एसएसपी के दरबार में लगाई न्याय की गुहार

बुलंदशहर। घरेलू मामले को लेकर पीड़ित पति अपनी पत्नी को लेकर पहुंचा एसएसपी के दरबार में जहां उसने अपने ही परिवार वालों पर लगाए गंभीर आरोप पीड़ित ने बताया कि उसकी पत्नी के साथ छेड़छाड़ की गईऔर उसके गुप्तांग पर प्रहार किया गया जिससे बहुत गंभीर चोट लगी है। उधर शिकारपुर सीओ शिव ठाकुर ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र के गांव सरावा में दो भाइयों के बीच जमीनी विवाद को लेकर मंगलवार को मारपीट हुई थी मारपीट में बड़े भाई को चोट आई है। जिसको लेकर प्रार्थी ने अपने छोटे भाई पर आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र दिया है हालांकि पुलिस मुकदमा दर्ज करने की तैयारी कर रही है। वहीं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार दुबे ने बताया कि पूर्व समय में पिता पुत्र के बीच जमीनी विवाद के आरोप कोतवाली तक आते रहे हैं समय-समय पर पुलिस द्वारा कार्यवाही भी की गई है हालांकि बप्रार्थना पत्र मिला है प्रार्थना पत्र के आधार पर जांच की जा रही है तथा पुलिस मुकदमा दर्ज करने में जुटी है।

प्रशिक्षण से युवाओं को मिला स्वरोजगार का नया अवसर

वेलकम इंडिया

गरुड़। सीमैप रिसर्च सेंटर पुरड़ा में देवभूमि उद्यमिता योजना (डीयूवाई) के तहत सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, पं. बद्रीदत्त पांडे परिसर, बागेश्वर के 50 ग्रेजुएट विद्यार्थियों के लिए हर्बल चाय निर्माण पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी प्रवल पीएस वर्मा ने कहा कि हर्बल चाय निर्माण में उपयोग होने वाले पौधे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान समय में भारत में रोजमेरी, थाइम, लेमनबाम एवं ऑरेगैनो जैसी औषधीय जड़ी-बूटियों से बने उत्पादों में प्रयोग होने वाली सूखी हर्ब और तेल अन्य देशों से आयात किए जाते हैं, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान होता है।

उन्होंने कृषकों को रोजमेरी, थाइम, लेमनबाम एवं ऑरेगैनो जैसी हर्ब्स की पहाड़ी क्षेत्रों में खेती करने पर जोर दिया। यह पहल अन्य देशों से कच्चे माल की निर्भरता को कम करने के साथ-साथ उत्तराखंड की कृषि को भी सशक्त करेगी।

डा. कमल किशोर ने हर्बल चाय और अन्य हर्बल उत्पादों की बढ़ती मांग को देखते हुए बागेश्वर के युवाओं को स्टार्टअप से जुड़ने और स्वरोजगार अपनाने की अपील की। मौके पर ग्रेजुएट विद्यार्थियों को हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण के माध्यम से हर्ब्स का पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन सिखाया गया। साथ ही हर्बल चाय और गुलाब जल बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। इस दौरान किशन राम, विकी चंदोला आदि मौजूद थे।

घर से बुलाकर मारपीट कर घायल करने का आरोप

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव इस्लामपुर घसौली निवासी एक व्यक्ति ने कई लोगों पर घर से बुलाकर मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया है पीड़ित ने अपना मेडिकल परीक्षण कराने के बाद आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के गांव इस्लामपुर घसौली निवासी नसीम ने बताया कि पीड़ित मजदूरी पर पेड़ कटाई करने का कार्य करता है। आरोप है कि गांव के एक व्यक्ति ने उसे फोन कर कस्बे में अपनी दुकान पर पेड़ काटने के बहाने बुलाया और उसे कोल्ड ड्रिंक पिलाकर उसके साथ जमकर अपने कई लोगों के साथ मिलकर मारपीट कर दी। शौर शराबा होने पर मौके पर आस-,पड़ोस के दुकानदार भी मौके पर आ गए पीड़ित ने भाग कर अपनी जान बचाई। पीड़ित व्यक्ति ने घायल अवस्था में थाने पहुंचकर आरोपी व उसके कई लोगों के विरुद्ध थाने पर तहरीर दी है। पुलिस ने घायल व्यक्ति का डाक्टरी परीक्षण कराने के बाद जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

महाविद्यालय की छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

कांधला। नगर के राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के द्वितीय दिवस की शुरूआत प्रार्थना, लक्ष्यगीत एवं शिविर स्थल की साफ-सफाई से हुई। शिविर के प्रथम सत्र में स्वयंसेविकाओं ने मतदाता जागरूकता, सड़क सुरक्षा,स्वच्छता, पर्यावरण व जल संरक्षण, एवं वृद्धों का सम्मान जन जागरूकता रैली निकाली। रैली का नेतृत्व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ श्याम बाबू एवं डॉ अंकिता त्यागी द्वारा किया गया। रैली शिविर स्थल से निकलकर रायजादगान मोहल्ले से निकलते हुए सूरज कुंड मंदिर तक गयी फिर वहाँ से शिविर स्थल पर आकर समाप्त हुई। स्वयंसेविकाओं ने विभिन्न नारों जैसे- आपका भविष्य आपके हाथ हेलमेट रखें हमेशा साथ, चुनाव नहीं मतदान करें नए भारत का निर्माण करें, स्वच्छता ही सेवा है गंदगी जानलेवा है, प्रदूषण मिटाओ पर्यावरण बचाओ, बापू ने दिया था संदेश स्वच्छ रखो भारत देश, वृद्धों का सम्मान हमारी संस्कृति की पहचान एवं जल संरक्षण जीवन रक्षा की कुंजी है के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। इस दौरान महाविद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

महाकुंभ से दिल्ली लौट रहे एनआरआई और उनके परिवार के साथ मारपीट

वेलकम इंडिया/चरन सिंह

बरेली। महाकुंभ में जाने वाले श्रद्धालुओं को सही सलामत उनके गंतव्य तक पहुंचाने के दावे रेल प्रशासन की तरफ से लगातार किए जा रहे हैं। लेकिन ये दावे कितने सही हैं, इस बात का अंदाजा इसी घटना से लगाया जा सकता है जिसमें लखनऊ से दिल्ली जा रहे एक एनआरआई और उनके परिवार के साथ मारपीट का आरोप राजधानी एक्सप्रेस के टीटीई पर लगा है।

हालांकि इस प्रकरण पर रेल प्रशासन का कहना है कि मारपीट की बात गलत है, जिस व्यक्ति के साथ मारपीट की बात की जा रही है वह व्यक्ति अपने परिवार के साथ बिना टिकट राजधानी एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे थे। लिहाजा उनके खिलाफ रेलवे एक्ट में कार्रवाई अमल में लाई जाएगी और जुमार्ना भी वसूला जाएगा। इस मामले पर ट्रेन में सफर कर रहे हिमांशु ने बताया है कि उनका परिवार दिल्ली में रहता है, वह एक एनआरआई हैं और फिलहाल जर्मनी में रहते हैं। ट्रेन संख्या 20505 डिब्रुगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस के जरिए लखनऊ से दिल्ली लौट रहे थे। ट्रेन छूट जाने के कारण उनके पास टिकट नहीं था। स्टाफ से टिकट बनाने को कहा तो प्रति व्यक्ति 7500 के जुमार्ने के आलवा अलग से रिश्वत की मांग की गई, नहीं देने पर ट्रेन के टीटीई और पेंट्रीकार के स्टाफ ने उनके साथ मारपीट की। उन्होंने बताया कि पांच दिन बाद उनकी जर्मनी के लिए वापसी है, इसीलिए उन्होंने पहले महाकुंभ में स्नान किया फिर अयोध्या

राम मंदिर के दर्शन करके लौट रहे थे। एनआरआई की बेटी नेहा ने बताया है कि उनके पिता को टीटीई ने आधा दर्जन से ज्यादा थप्पड़ मारे। हिमांशु के सर में कड़ा मार दिया, जिसकी वजह से वह घायल हो गए। ट्रेन के बरेली पहुंचने पर पूरा परिवार जंक्शन पर उतारा गया। जीआरपी बरेली जंक्शन थाना प्रभारी अजीत प्रताप सिंह ने बताया है कि किसी प्रकार की तहरीर नहीं मिली है, लेकिन जिला अस्पताल में एनआरआई और उनके परिवार के सदस्यों का मेडिकल कराया गया है।

दिल्ली के रमेशनगर थाना कीर्तिनगर के रहने वाले भारत बजाज ने बताया है कि वह लखनऊ से दिल्ली जा रहे थे। सुबह करीब छह बजे उनके और परिवार के साथ मारपीट की गई। उन्होंने बताया कि शनिवार को निकले थे। दिल्ली के रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे के कारण उनकी ट्रेन 22 घंटा लेट हो गई थी। पहले प्रयागराज फिर अयोध्या से दर्शन करके लौट रहे थे। लेकिन जिस ट्रेन में रिजर्वेशन था वो कैंसिल हो गई थी। फिर जैसे तैसे अयोध्या से लखनऊ तक आए, फिर लखनऊ से राजधानी में बैठ गए, जिसमें उनका रिजर्वेशन नहीं था। इसको लेकर उन्होंने ट्रेन के टीटीई और स्टाफ से टिकट बनाने की बात कही, लेकिन उन्होंने 7500 प्रति व्यक्ति और साथ में कुछ रिश्वत की डिमांड की, जिसे न देने की स्थिति में उनके साथ मारपीट की गई। वहीं इस पूरे मामले पर रेल प्रशासन ने भी अपनी सफाई दी है, मुरादाबाद रेल मंडल के सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि पूरा परिवार बिना टिकट के ट्रेन में यात्रा कर रहा था। किसी भी तरह की मारपीट और रिश्वत मांगने का आरोप गलत है। उन्होंने बताया कि इस मामले में बिना टिकट चलने वाले यात्रियों के खिलाफ रेलवे एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। रेलवे अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि बिना टिकट चल रहे इन यात्रियों से जुमार्ना वसूला जाएगा। वहीं सूचना है कि रेलवे के अधिकारी 70 हजार रुपये से अधिक का जुमार्ना पूरे परिवार से वसूलने की तैयारी कर रहा हैं। परिवार में एक दो नहीं बल्कि एक दर्जन के आसपास सदस्य राजधानी एक्सप्रेस में सफर कर रहे थे। राजधानी एक्सप्रेस एक वीआईपी ट्रेन है। जिसमें रेल प्रशासन की तरफ से भारी भरकम जुर्माना बिना टिकट चलने पर वसूला जाता है।

त्योहारों पर माहौल खराब करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई: क्षितिज कुमार सिंह

वेलकम इंडिया

कांधला। थाना प्रांगण में आगामी त्यौहारों को देखते हुए शांति समिति और पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में थाना प्रभारी निरीक्षक ने दोनों समुदाय के लोगों से त्योहारों को लेकर भाईचारे और शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। शांति समिति और पीस कमेटी की बैठक में दर्जनों लोग मौजूद रहे।

बुधवार को थाना प्रांगण में आगामी त्यौहार होली और माहे रमजान को लेकर शांति समिति और पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए व्यापार मंडल के अध्यक्ष ईश्वर दयाल कंसल ने कहा कि कस्बे और क्षेत्र का इतिहास रहा है कि कस्बे और क्षेत्र में दोनों समुदाय के लोग त्योहारों को आपसी भाईचारे और प्यार के साथ मनाते हैं और एक दूसरे के सुख-दुख में शामिल होते है। एडवोकेट नावेद जंग ने बैठक में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कांधला कस्बा हिंदू मुस्लिम एकता की मिसाल है। कस्बे में मंदिर और मस्जिद की दीवार एक है। मंदिर में भजन होता है तो दूसरी और मस्जिद में अजान होती है। थाना प्रभारी निरीक्षक क्षितिज कुमार सिंह ने बैठक में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि होली के त्योहार पर बिना किसी की सहमति के रंग में लगाए। शांति और भाईचारे के साथ त्योहार मनाए। अफवाहों पर ध्यान न दें। किसी भी प्रकार की घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दें। अपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि त्योहारों पर माहौल खराब करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। माहौल खराब करने वाले लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान बैठक में एस एस आई सुभाष सिंह, रणवीर सिंह, प्रधान संगठन के अध्यक्ष संदीप पवांर, अफजाल सभासद, बाबा ब्रह्मपाल नाला, इकबाल मंसूरी, उमर नवाज खान, गुलशन खन्ना, रिजवान अंसारी, पंकज मलिक प्रधान सहित दोनों समुदाय के दर्जनों लोग मौजूद रहे।

कुरआन को मजबूती से पकड़ना हमारे ईमान की निशानी मौलाना सैयद हसन मदनी

वेलकम इंडिया

कांधला। कस्बे के जामिया अरबिया कासिम उलूम और जामिया आयशा लिलबनात में वार्षिक जलसा का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक और शैक्षणिक आयोजन में उलमा-ए-किराम, धार्मिक विद्वान, शिक्षक और छात्र शामिल हुए। जलसे की शुरूआत सैयद साद हाशमी की तिलावत-ए-कुरान से हुई, जिसकी प्रभावशाली तिलावत ने महफि ल को रौशन कर दिया। इसके बाद कारी मोहम्मद नईम ने नअतीया कलाम पेश किया, जिसने श्रोताओं के दिलों में रसूल की मोहब्बत को और गहरा कर दिया।

संचालन निपुणता के साथ मौलाना सुहैल अख्तर कासमी ने किया, जिन्होंने सभी वक्ताओं को खूबसूरत अंदाज में संबोधित किया और श्रोताओं का ध्यान आकर्षित किया। जलसें में बयान करते हुए मौलाना सैयद हसन मदनी ने कहा कि कुरान को मजबूती से पकड़ना हमारे ईमान की सबसे बड़ी निशानी है।

इस्लाम की हिफाजत और तरक्की में मदरसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और इनकी सुरक्षा पूरी उम्मत-ए-मुस्लिम की पहली ज़िम्मेदारी है।ह उन्होंने इस्लामी शिक्षा के महत्व और इसके प्रचार-प्रसार में मदरसों की सेवाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला और मुसलमानों को धर्म से जुड़े रहने की नसीहत दी। जलसे में 20 तलबाओ की दस्तारबंदी हुई, जिन्हें पगड़ी पहनकर कुराने हाफिज की उपाधि प्रदान की गई।

मौलाना सैयद हसन मदनी के द्वारा देश में अमन चैन की दुआ कराई गई। इस दौरान जलसे में सैयद मजहरुल हुदा कासमी, कारी उम्मीदुर्रहमान, कारी मोहम्मद मनव्वर, मौलाना आबिद, मौलाना औरंगजेब, कारी शुएब, कारी राशिद, सैयद मुआज हाशमी, मास्टर रिजवान, सैयद साद हाशमी, तूबा फलक हाशमी, सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग से सुधरेगी शहर की तस्वीर

वेलकम इंडिया

लखनऊ। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में लखनऊ की रैंकिंग को सुधारने के लिए माननीय महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर निगम के सभागार में बुधवार को बैठक ली। इस बैठक में नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, समस्त अपर नगर आयुक्त, सभी जोनल अधिकारी, चीफ इंजीनियर, एएठ, समस्ते रड, समस्त रक्षक और अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। इस बैठक में महापौर ने कई सख्त निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने साफ कहा कि अगर इस बार लखनऊ की रैंकिंग स्वच्छ सर्वेक्षण में गिरी तो अधिकारियों पर कार्रवाई होगी।

महापौर ने कहा कि शहर की स्वच्छता ही हमारा काम है और अगर ये सही से नहीं हो रहा है तो इसको लेकर कार्रवाई अब शुरू की जा चुकी है। अगर इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण में शहर की रैंकिंग नहीं आई तो अपर नगर आयुक्त से लेकर जोनल अधिकारी, रेड और रक्षक सभी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि शहर में कहीं भी खुले में कूड़ा नहीं दिखना चाहिए। सभी पड़ाव घर जल्द से जल्द तैयार करें।

महापौर ने समस्त अपर नगर आयुक्त और जोनल अधिकारियों को कड़ाई से आदेश दिया है कि वो अपने-अपने जोन में सुबह 06 बजे से निरीक्षण करेंगे। ये निरीक्षण वो सुबह 09 बजे तक करेंगे। ऐसे में किसी भी जोन में गंदगी व कूड़ा पाए जाने पर तुरंत उसपर कार्रवाई करवाने की जिम्मेदारी उस जोन के अधिकारी की है।

शहर के 30 से अधिक मार्केट एरिया में दिन में दो बार होगी सफाई

महापौर ने पूरे शहर के सभी कमर्शियल एरिया की सफाई दिन में दो बार करने के भी आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शहर में 30 से अधिक बाजार हैं ऐसे में सभी जगह पर दिन में दो बार झाड़ू लगेगी। एक बार दिन में और एक बार रात में सफाई कराई जाएगी। इसको लेकर सभी रड और रक्षक को आदेश दिए हैं।

महापौर ने जीएम जलकल को इस बैठक में आदेश दिया कि शहर में कहीं भी उन्हें सीवर ओवरफ़्लो होता नहीं दिखना चाहिए। इसके साथ ही कहीं भी नालियां चोक हैं तो उसे भी तुरंत साफ कराया जाए। अगर किसी भी क्षेत्र में सीवर या नाली का पानी सड़कों पर आ रहा है तो उसे भी तत्काल प्रभाव से सही कराया जाए।

खाली प्लॉट या सड़कों पर ना दिखे मलबा

महापौर ने चीफ इंजीनियर को आदेश दिया कि शहर में कहीं भी मलबा सड़क पर या खाली प्लॉट में नजर नहीं आना चाहिए। उसे तत्काल ही कार्रवाई करवाकर वहां से उठवाया जाए और उसे सी एंड डी प्लांट भिजवाया जाए। वहीं उन्होंने सभी अधिकारियों को ऐसे लोगों के ऊपर कार्रवाई करने के भी आदेश दिए हैं जो शहर को गंदा कर रहे हैं। उन्होंने सभी जोनल अधिकारियों को अवैध रूप से लग रहे बैनर पोस्टर लगाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के भी आदेश दिए हैं।

महापौर ने कहा कि 30 मार्च तक शहर के सभी वार्ड में पड़ाव घर (कूड़ा ट्रांसफर स्टेशन), टफऋ (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटर बनकर तैयार हो जाने चाहिए। इसको लेकर टेंडर दिसंबर में ही जारी हो चुका है। संस्था को वर्क ऑर्डर भी जारी किया जा चुका है। ऐसे में जल्द से जल्द पड़ाव घर पूरे शहर में तैयार कर दिया जाना चाहिए।

सोमवार से हर वार्ड का होगा निरीक्षण

महापौर ने बैठक में कहा कि सोमवार से वो खुद नगर आयुक्त महोदय के साथ पूरे शहर में निरीक्षण करेंगी। इसके साथ ही वो हर रोज एक वार्ड का पूरी तरह एक-एक गली में जाकर दौरा करेंगी। ऐसे में अगर उन्हें कहीं भी कोई कमी मिली तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

त्योहारों से पहले जारी हो सभी कर्मचारियों की सैलरी

नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि होली से पहले सभी निगम कर्मचारियों और कार्यदाई संस्था के कर्मियों की सैलरी उनके खाते में चली जानी चाहिए।

जिलाधिकारी ने स्पोर्ट्स स्टेडियम में सीनियर महिला वालीवॉल प्रतियोगिता का किया शुभारम्भ

विजय द्विवेदी वेलकम इन्डिया

दिनांक 19 फरवरी 2025 प्रतापगढ़। खेल निदेशालय लखनऊ के तत्वाधान में जिला खेल कार्यालय द्वारा सीनियर महिला वालीवॉल प्रतियोगिता का आयोजन स्पोर्ट्स स्टेडियम में दिनांक 19 से 21 फरवरी तक किया जा रहा है जिसका शुभारम्भ आज जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी, पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। शुभारम्भ के अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि खेलों का हमारे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है, खेलों से हमारी शारीरिक एवं मानसिक स्थिति ठीक होती है और रचनात्मक विकास होता है। खेलों से स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है। अनुशासन में रहकर के अपने लक्ष्य पर केन्द्रित होकर किस तरह से कार्य किया जाता है यह हमें खेलों से सीख मिलती है। जिलाधिकारी ने वालीवॉल प्रतियोगिता हेतु आयी हुई टीमों का स्वागत किया और कहा कि सभी टीमें बहुत ही अच्छे खेल का प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा कि खेलों में जो टीमें हारती है उनको ज्यादा सीखने का मौका मिलता है जीतने की तुलना में इसलिये सभी टीमें अपना शत प्रतिशत योगदान दें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर शैलेन्द्र कुमार वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का पहला मैच लखनऊ छात्रावास बनाम वाराणसी मंडल के बीच खेला गया, इस मैच को लखनऊ छात्रावास ने 25/17, 26/24 से मुकाबले को जीत लिया, प्रतियोगिता का दूसरा मैच स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर और लखनऊ मंडल के बीच खेला गया इस मैच को स्पोर्ट्स कॉलेज ने 25/6, 25/5 से अपने नाम कर लिया। प्रतियोगिता का तीसरा मैच मेजबान प्रतापगढ़ और सुल्तानपुर के बीच खेला गया, मेजबान प्रतापगढ़ ने जबरदस्त खेल का प्रदर्शन करते हुए 25/17, 26/24 से मुकाबले को अपने नाम कर लिया। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी पूनम लता राज ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतापगढ़ जिले में खेलों को बढ़ावा देना और महिला खिलाड़ियों को खेलों के माध्यम से प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता में सीनियर वॉलीबॉल के मैच आयोजित किए जा रहे है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि और पुरस्कार दिए जाएंगे। इसके अलावा प्रतियोगिता के विजेताओं को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर भी मिलेगा। इस दौरान जिला खेल अधिकारी ने प्रतियोगिता में आए पूर्व क्रीड़ाधिकारी केपी सिंह, पूर्व राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी ज्ञानेंद्र प्रसाद ओझा को साल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस मौके पर जिला वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष विक्रांत सिंह नवीन, सचिव डॉक्टर डीपी सिंह, पूर्व अंतरराष्ट्रीय निर्णायक राम शिरोमणि सिंह, पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी मन्नन लाल शुक्ला, राष्ट्रीय निर्णायक विनोद यादव, जिला कुश्ती सिंह के सचिव जय बहादुर सिंह, जिला व्यायाम शिक्षक राम कुमार, मंजू सिंह, अंतराष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी और प्रशिक्षक सचिन शुक्ला, जिला क्रिकेट के आयोजन सचिव दुर्गेश तिवारी, जिम ट्रेनर विक्रम सिंह के अलावा स्टेडियम के सभी प्रशिक्षक आशुतोष सिंह, बुद्ध प्रकाश, अरविंद कुमार, जेपी यादव, शोभनाथ यादव भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी और क्रिकेट प्रशिक्षक आदित्य शुक्ला ने किया। अंत में जिला खेल अधिकारी पूनम लता राज ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनपद में लगातार 85 वें दिन भी रहा विद्युत कर्मियों का तूफानी आंदोलन

अयोध्या(वेलकम इंडिया)

जनपद अयोध्या में लगातार चल रही विद्युत कर्मियों का आंदोलन सोमवार मंगलवार 83वें दिन भी लगातार जारी रहा विद्युत वितरण खंड तृतीय में तैनात कार्यकारी सहायक लिपिक अजय सोनकर सहित सभी विद्युत कर्मियों ने एक स्वर में कहा कि जब तक सरकार निजीकरण की प्रक्रिया को समाप्त करने की घोषणा नहीं करेगी तब तक यह आंदोलन अनवरत जारी रहेगा वहीं उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को लेकर पूरे प्रदेश में आंदोलन जारी है, तथा भविष्य में पूरे प्रदेश के कर्मचारियों द्वारा सरकार के इस विषय पर स्पष्टीकरण देने के लिए बाध्य किया जाएगा। पावर कॉरपोरेशन कर्मी अजय सोनकर ने बताया कि आज के प्रदर्शन में रघुवंश मिश्रा, बबलू सिंह ,अजय सोनकर, देवनारायण शर्मा, सुशील मौर्य, विजय प्रताप सिंह, नंद यादव,सत्य प्रकाश, राम चरित्र मौर्य,प्रवीण गिरी,शहजाद मियां, राम सिंह यादव, सत्येंद्र पांडे,शाहिद खान, अरविंद दास,आशीष सिंह,अमित सेन, सत्यदेव पांडे,एहतेशाम आदि मीटर रीडर निविदा कर्मचारी विरोध समाज में उपस्थित रहे।

लखनऊ में पुलिस वर्दी में युवती गिरफ्तार

अयोध्या(वेलकम इंडिया)

सोशल मीडिया पर अपने फॉलोवर्स बढ़ाने के लिए, फर्जी तरीके से पुलिस की वर्दी पहन कर रील बनाने वाली एक युवती को लखनऊ की सरोजनी नगर पुलिस ने धर दबोचा। गश्त कर रहे दरोगा ने उसे मौके से पकड़ कर पूछताछ करने के बाद उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई और जेल भेज दिया है।

सरोजनी नगर थाने में तैनात दरोगा अंकित कुमार बालियान के मुताबिक वह मंगलवार शाम करीब 6:45 बजे अपने हमराही सिपाहियों के साथ एयरपोर्ट क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। तभी लखनऊ एयरपोर्ट स्थित लक्ष्मण चौक से कुछ दूरी पर एक युवती पुलिस की वर्दी पहने पीठ पर एक पिट्ठू बैग लिए, खड़ी हुई नजर आई, जो संदिग्ध लगी। इस पर रुक कर उससे पोस्टिंग का थाना पूछा गया, तो वह कुछ नहीं बता सकी। बल्कि चुप रही और सकपका गई। शौक में पुलिस की वर्दी पहनी जब पुलिस ने दोबारा उससे पूछताछ की तब उसने बताया कि वह केवल सोशल मीडिया पर रील बनाने के लिए शौक में पुलिस की वर्दी पहन रखी है। इस पर दरोगा अंकित बालियान के साथ मौजूद महिला सिपाहियों ने उसकी तलाशी लेते हुए पूछताछ की तो युवती ने अपना नाम अंबेडकर नगर जिले के राजे सुल्तानपुर थाना अंतर्गत बनकटा बुजुर्ग गांव निवासी नीतू चौहान बताया।

राहुल केसरवानी द्वारा कराया गया नेत्र शिविर एव कम्बल वितरण आयोजन

वेलकम इंडिया

प्रयागराज। प्रयागराज सहसों में प्रति माह की भाती इस माह भी रोहित गेस्ट हाउस सहसों में मोतियाबिंद का निशुल्क विशाल नेत्र शिविर का आयोजन किया गया,जिसके कार्यक्रम के आयोजक राहुल केसरवानी निवर्तमान ग्राम प्रधान ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया,उन्होंने सभी को आखों के प्रति सचेत रहने की गुजारिश की,जैसे की अपने पिता स्वा प्यारे लाल के पुण्य स्मृति पर साल के प्रत्येक माह के 18 तारीख को निशुल्क विशाल नेत्र शिविर का आयोजन 5 वर्षो से लगातार करते आ रहे है।

मंगलवार को कैंप के माध्यम से लगभग 175 लोगो का निशुल्क जांच श्री सदगुरू सेवा ट्रस्ट चित्रकूट से आए डाक्टरो की विशेष टीम ने किया,एवम 52 लोगो को मोतियाबिंद अपरेशन के लिए भेजा गया,कार्यक्रम में उपस्थित छेत्र के बाबा प्रधान अमित प्रधान ने अपने विचार को रखे

इस तरह के कार्यक्रम की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम होगी,ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन से गरीब वर्ग के लोगो को बड़ा सहयोग प्रदान होता है, उपस्थित ,सिराज ,आशीष बिंद, रंजीत यादव,शिवम केसरवानी,शुभम शर्मा, दिनेश केसरवानी, महेंद्र पटेल, मेंठे,पिंटू विश्वकर्मा, आदि मौजूद रहे।

इंस्पेक्टर सरसावा नरेंद्र कुमार शर्मा पंहुचे गौ,आश्रय स्थल सलूनी,जहां उन्होंने अनेको गाय को हरा चारा व गुड़ का कराया भोजन

वेलकम इंडिया

सहारनपुर। गौशाला स्थल पर उनके साथ रहा थाना स्टाफ भी रहा मौजूद। इंस्पेक्टर नरेंद्र कुमार शर्मा ने कहा गाय माता की सेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं, सेवा करके मन को बड़ी शांति मिलती है।

जब हम पशु पक्षियों एवम दूसरे जीवो ? के प्रति दया भाव दिखाते हैं,इसी का नाम मानवता है जी हां हम बात कर रहे है,इंस्पेक्टर सरसावा नरेंद्र कुमार शर्मा की जी जो आज सरसावा के ग्राम पंचायत सलूनी गौशाला पंहुचे और दयालुता पूर्वक गाय माताओं की सेवा में जुट गए,इंस्पेक्टर नरेंद्र कुमार शर्मा गायो की सेवा करते देख हर कोई हैरान था ,जहां उन्होंने गाय माताओं को हरे चारे एवम गुड़ का भोजन मुहैया कराया इस मौके पर इंस्पेक्टर नरेंद्र कुमार शर्मा का यही कहना था,कि गाय माता से बड़ी कोई सेवा नहीं,करके देखो मन को बड़ी शांति मिलेगी इस मौके पर उनके साथ थाना स्टाफ भी रहा मौजूद।

शिविर के दूसरे दिन पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण किया : आकाश शास्त्री

वेलकम इंडिया

नूरपुर : क्षेत्र के ग्राम फीना स्थित श्री हरिपाल शास्त्री स्मारक महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की दो इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम फीना व ग्राम अजुपुरा में चल रहा है। शिविर के दूसरे दिन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों ने पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण किया। पौधारोपण एनएसएस की सहायक कार्यक्रम अधिकारी डॉ शिवाली राजपूत, पिंकी यादव, छाया राजपूत व नीशु देवल के संरक्षण में किया गया। उधर ग्राम अजुपुरा में द्वितीय इकाई के स्वयंसेवियों ने कार्यक्रम अधिकारी पीयूष वर्मा के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली। ग्राम अजुपुरा में स्वयंसेवी छात्र-छात्राओं ने घर-घर जाकर ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की। शिविर के द्वितीय सत्र में पर्यावरण जागरूकता गोष्ठी आयोजित की गई जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना की सहायक कार्यक्रम अधिकारी डॉ शिवाली राजपूत ने छात्रों को भौगोलिक पर्यावरण के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वृक्ष और जलाशय प्राकृतिक संतुलन के महत्वपूर्ण घटक हैं। इनका संरक्षण करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। कॉलेज प्रबंधक ठाकुर आकाश शास्त्री ने छात्रों से ग्रामीणों की निस्वार्थ भाव से सेवा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वंचितों की सेवा करना परम धर्म है। इस प्रकार के सामाजिक कार्यों से ही छात्रों के व्यक्तित्व का निर्माण होता है। द्वितीय सत्र के अंत में रहम होंगे कामयाब एक दिन र गीत गाकर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस मौके पर कॉलेज के चीफ प्रॉक्टर डॉ आर पी सिंह, छाया राजपूत, रुक्मिणी देवी, प्रथम इकाई के कार्यक्रम अधिकारी दलीप कुमार, सुषैन बाबू शर्मा, सचिन कुमार, शनि चौहान, पिंकी यादव, ललित शर्मा, प्रशांत चौधरी, सोनू कुमार, प्रदीप कुमार आडियो उपस्थित रहे।

गरुड़ को आदर्श नगर पंचायत बनाने के लिए मिलकर करने होंगे प्रयास : भावना

गरुड़,अखिल आजाद, जोशी, नगर पंचायत गरुड़ की बैठक में सभासदों ने अपने-अपने वार्ड की समस्याएं उठाई। अध्यक्ष भावना वर्मा ने ईओ व कर्मचारियों को समस्याओं को गंभीरता से लेने और उन पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। नवनिर्वाचित नगर पंचायत अध्यक्ष भावना वर्मा ने सभासदों, पर्यावरण मित्रों व नगर पंचायत कर्मचारियों के साथ बैठक की। नगर पंचायत कार्यालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष भावना वर्मा ने कहा कि गरुड़ को स्वच्छ व आदर्श नगर बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

सैन्य सम्मान के साथ सैनिक की अंत्येष्टि

वेलकम इंडिया

बागेश्वर। हल्द्वानी तीन पानी के पास हुए सड़क हादसे में मारे गए सैनिक संजीव चौबे सहित युवा व्यापारी गौरव जोशी के हल्द्वानी में कार दुर्घटना में हुई मौत के बाद दोनों शवों को उनके घर लाया गया जहां कार दुर्घटना में इन दिनों ड्यूटी से छुट्टी पर घर आए सैन्य जवान संजीव चौबे के पार्थिव शरीर को सैन्य टुकड़ी के साथ उनके गांव लाया गया जहां गमगीन माहौल में परिजनों को मृतक सैन्य जवान के अंतिम दर्शन के लिए ले जाया गया जहां सैन्य सम्मान के साथ सैन्य जवानों की टुकड़ी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज में लिपटाकर सरयू गोमती संगम तट में

अंत्येष्टि के लिए लाया गया बुधवार की सुबह परिजनों की अश्रुपूरित विदाई के बाद शव यात्रा निकली जहां शवयात्रा में सैकड़ों लोग शामिल हुए जहां सरयू तथा गोमती संगम पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर नगर पालिकाध्यक्ष सुरेश खेतवाल समेत जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, पूर्व सैनिक संगठन, सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सेना की टुकड़ी ने सैनिक को अंतिम सलामी दी और पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। वही कार दुर्घटना में मारे गए युवा व्यवसायी की मौत के बाद बागेश्वर नगर में व्यापारियों में शोक की लहर दौड़ गई हर कोई व्यापारी हादसे की सूचना से स्तब्ध है वही व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष बबलू नेगी, नगर व्यापार मण्डल अध्यक्ष कवि जोशी, व्यापार मंडल प्रदेश सचिव हरीश सोनी, बबलू जोशी,हेम जोशी,जगदीश रावल,महिपाल भरड़ा, भगत रावल, नवीन रावल,

सहित व्यापार मंडल के सदस्यों द्वारा शोक सभा कर मृतकों की आत्मा की शांति की कामना की गई।

गला काटकर युवक की हत्या, श्मशान घाट में पड़ा मिला खून से नहाया शव

वेलकम इंडिया

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना कोतवाली के गांव शाहडब्बर में अमित (37) के परिवार में गांव में ही मंगलवार रात शादी थी। वहां से वह देर रात वापस आ रहा था लेकिन घर नहीं पहुंचा। सुबह उसका शव मिला। बुढ़ाना कोतवाली के गांव शाहडब्बर में अमित (37) की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या की दी गई। शव सुबह गांव के श्मशान घाट में पड़ा मिला। परिजनों ने गांव के ही एक युवक पर हत्या का आरोप लगाया है। अमित के परिवार में गांव में ही मंगलवार रात को शादी थी। वहां से वह देर रात वापस आ रहा था था लेकिन घर नहीं पहुंचा। बुधवार सुबह के समय उसका शव गांव के ही श्मशान घाट में पड़ा मिला। उसकी गला रेत कर हत्या की थी। सूचना पाकर परिजन, ग्रामीण व सीओ बुढ़ाना गजेंद्र पाल सिंह मौके पर पहुंचे।

सीओ ने परिजनों से जानकारी ली। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। सीओ का कहना है कि परिजनों ने अभी तहरीर नहीं दी है। एक युवक पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं। मामले की जांच की जा रही है।

एसआरएमआईएसटी, दिल्ली-एनसीआर कैंपस ने मनाया 28 वां स्थापना दिवस

वेलकम इंडिया

मोदीनगर। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली-एनसीआर कैंपस में 19 फरवरी 2025 को संस्थान ने 28 वें स्थापना दिवस का जश्न मना,जहां उत्साह, गर्व और उपलब्धियों की खुशी झलक रही थी। यह सिर्फ एक समारोह नहीं, बल्कि उन वर्षों की मेहनत, सपनों और सफलताओं का उत्सव था, जिसने इस संस्थान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. अभय जरे, उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), नई दिल्ली, ने छात्रों और शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने एसआरएम की उपलब्धियों की सराहना करते हुए छात्रों को तकनीकी शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उनके उत्साहवर्धक शब्दों ने सभी को गर्व और प्रेरणा से भर दिया। समारोह की शुरूआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई, जिससे पूरे परिसर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ।इसके बाद निदेशक डॉ. एस. विश्वनाथन ने स्वागत भाषण दिया, जिसमें उन्होंने संस्थान की अब तक की यात्रा और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। वहीं, डीन डॉ. आर. पी. महापात्रा ने अपने संबोधन में संस्थान की शैक्षणिक यात्रा और सफलता की कहानियों को साझा किया। इस मौके को और खास बनाने के लिए 28 वें स्थापना दिवस का आधिकारिक लोगो भी लॉन्च किया गया, जो संस्थान की निरंतर प्रगति और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इसके साथ ही, स्कैम्पस एम्बेसडर अवार्ड्स 2025स के तहत उन छात्रों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट हासिल कर संस्थान का नाम रोशन किया। यह पल छात्रों के लिए बेहद खास था, क्योंकि उनकी मेहनत और सफलता को खुले मंच पर सराहा गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. धौम्या भट्ट, डीन (आईक्यूएसी) एवं स्थापना दिवस की संयोजक, ने सभी को धन्यवाद दिया। उन्होंने छात्रों, संकाय सदस्यों और आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह दिन संस्थान की निरंतर प्रगति और सफलता की एक और सीढ़ी है।एसआरएम आईएसटी, दिल्ली-एनसीआर कैंपस सिर्फ एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि एक परिवार है, जहां हर छात्र, शिक्षक और कर्मचारी इसके विकास में योगदान देता है। यह स्थापना दिवस केवल अतीत की उपलब्धियों का जश्न नहीं, बल्कि एक उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ते कदमों की प्रेरणा है!

पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाशों को पुलिस ने दबोचा

गाजियाबाद। कौशाबी थाने के एसओ संदीप कुमार सिंह की टीम के साथ हुई बदमाशों की मुठभेड़ में घायल हुए मनोज उर्फ असलम उर्फ आड़े व उसके साथी संजय शर्मा का गैंग अब तक दिल्ली, यूपी व दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में लूट, झपटमारी व चोरी की दर्जनों वारदातों को अंजाम देकर पुलिस का सिरदर्द बन चुका था। पुलिस ने मुठभेड़ में घायल हुए मनोज उर्फ असलम उर्फ आड़े व संजय शर्मा के पास से तमंचे, कारतूस, फर्जी नंबर लगी हुई बाइक व लूटी गई तीन सोने की चेन के अलावा अन्य सामान बरामद हुआ। साथ ही गाजियाबाद में हुई लूट व स्नेचिंग की कई वारदातों के खुलासे की बात भी पुलिस ने कही। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि कौशांबी थाने के एसओ संदीप सिंह की टीम से हुई मुठभेड़ में घायल हुए बदमाश का नाम मनोज उर्फ असलम उर्फ आड़े व उसके साथी संजय शर्मा निवासी गली नंबर 19 शिवराम पार्क मंगल बाजार निहाल बिहार नागलोई दिल्ली हैं।

मोदी कॉलेज के प्रधानाचार्य दिल्ली में अखिल भारतीय सृजन सम्मान से सम्मानित

वेलकम इंडिया

मोदीनगर। काव्य गरिमा हिंदी साहित्य मंच नई दिल्ली के तत्वावधान में गांधी शांति प्रतिष्ठान नई दिल्ली में मंच के वार्षिकोत्सव व सम्मान समारोह में डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल को शिक्षा शिक्षा में नवाचार साहित्य लेखन काव्य रचना और पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अखिल भारतीय सृजन सम्मान से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार शिक्षा, साहित्य पर्यावरण ,कला ,नृत्य संगीत रक्तदान ,कृषि, समाज सेवा, महिला एवं बाल अधिकार ज्योतिष आदि विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रबुद्धजनों को प्रदान किया जाता है। यह भी उल्लेखनीय है कि डॉक्टर अग्रवाल ने एक मां के ऊपर सुंदर काव्य पाठ भी किया।

जिसका उपस्थित सभी विद्वत जनों ने प्रशंसा की सम्मान समारोह और कवि सम्मेलन दो सत्रों में आयोजित किया गया। यह पुरस्कार सभी सम्मानित अतिथिगण वे संस्था की पदाधिकारी डॉक्टर गरिमा भाटी गोरी और डॉक्टर मीना घूमे निराली ने संयुक्त रूप से प्रदान किया। इस समारोह में देश के 12 राज्यों , दिल्ली,राजस्थान उड़ीसा,हरियाणा बिहार, उत्तर प्रदेश ,पश्चिम बंगाल आदि राज्यों के लगभग 70 विद्वानों को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

खेलों से होता है बच्चों का सर्वांगीण विकास अंबिका गौड

वेलकम इंडिया

मोदीनगर। गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव का शुभारंभ स्कूल प्रबंधक व बैडमिंटन के राष्ट्रीय खिलाड़ी अखिलेश द्विवेदी द्वारा फीता काटकर किया गया उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास पैदा होता है जो उन्हें किसी भी तरह की विषम परिस्थितियों में सही निर्णय लेने में सक्षम बनाता है मुख्य अतिथि अंबिका गोंड ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेलों के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है खेल बच्चों को मानसिक, शारीरिक, सामाजिक व आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं इस अवसर पर विजेता खिलाड़ियों को स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक देकर सम्मानित किया गया विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ अरूण त्यागी ने बताया की तीन दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में एथलेटिक्स,खो खो,क्रिकेट, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, बैडमिंटन व मनोरंजक खेलों में विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे इस अवसर पर खेल अधिकारी योगी आशीष, खेल प्रशिक्षक प्रवीण तोमर,नैना शर्मा,अविनाश,मोनिका,अर्चना,नीतू, आदि शिक्षक, शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

मोतियाबिंद चेकअप व आयुष्मान कार्ड कैम्प का आयोजन

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। रोटेरी क्लब गाजियाबाद सेंट्रल ने वरदान सेवा समिति के सहयोग से मोतियाबिंद चेकअप व बुजुर्गों के लिए आयुष्मान कार्ड कैम्प का आयोजन कंपोसिट विद्यालय ,बिहारीपुरा में किया।

क्लब अध्यक्ष रोटेरियन अजय शर्मा ने बताया कि बिहारीपुरा क्षेत्र में इस कैम्प के आयोजन का उद्देश्य जरूरतमंद व्यक्तियों को निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराना है कैम्प में 230 व्यक्तियों ने आखों की जांच कराई, जिसमे से 28 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए आज ही वरदान हॉस्पिटल में निशुल्क उपचार के लिए वरदान,गढ़ी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। कैम्प में क्लब प्रेसिडेंट रोटेरियन अजय शर्मा,सचिव रोटेरियन अनुपम गर्ग,कैशियर रोटेरियन संजय गर्ग,रोटेरियन डॉक्टर अतुल जैन,रोटेरियन प्रवीण गर्ग व रोटेरियन प्रवीण गर्ग मौजूद रहे। वरदान से विजय शंकर जी,डॉक्टर सुबोध गुप्ता, गजेन्द्र शर्मा व चार आंखों के डॉक्टर उपस्थित रहे।

संगम में स्नान करने से पुण्य प्राप्त होता है: अजय वीर

वेलकम इंडिया

नूरपुर : रालोद के क्षेत्रीय महासचिव चौधरी अजय वीर सिंह एडवोकेट ने त्रिवेणी घाट संगम प्रयागराज पहुंचकर गंगा में स्नान करके पुण्य कमाया। चौधरी अजय वीर सिंह एडवोकेट ने बताया कि गंगा में स्नान करना शुभ माना जाता है। गंगाजल का स्पर्श आत्मिक शांति और मोक्ष की प्राप्ति में सहायक होता है। महाकुंभ अध्यात्म और संस्कृति का सबसे बड़ा आयोजन है। संगम तट पर स्नान करने का बहुत बड़ा महत्व है, आस्था के इस महासंगम में भक्तों ने पावन संगम तट पर स्नान ध्यान, दान, पुण्य कर सनातन धर्म विजय की कामना की। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की कुंभ मेले में बहुत ही सुनयोजित व्यवस्था है।

पिछड़ों, दलितों,अल्पसंख्यक, महिलाओं और शोषित समाज के साथ खड़ी है समाजवादी पार्टी : कालूराम धामा

वेलकम इंडिया

मोदीनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आव्हान पर पूरे प्रदेश में समाजवादी पार्टी द्वारा चल रहे पीडीए जन पंचयात कार्यक्रम का आयोजन मुनीश ठेकेदार के द्वारा देवव्रत धामा की अध्यक्षता में डबल स्टॉरी में, दूसरा प्रवीण प्रजापति के द्वारा जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन की अध्यक्षता में कादराबाद में,मोदीनगर से पूर्व प्रत्याशी प्रदेश सचिव कालूराम धामा द्वारा सुदामापुरी में जिला अध्यक्ष कि अध्यक्षता में किया गया। सभा का मंच संचालन विधानसभा क्षेत्र महासचिव उत्तम त्यागी और सचिन दीक्षित ने किया।

जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन और प्रदेश सचिव कालूराम धामा, पूर्व दर्जा प्राप्त मन्त्री रमेश प्रजापति व देवव्रत धामा ने कहा कि समाजवादी पार्टी पिछड़ों,दलितों, अल्पसंख्यकों एवं महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, स्वस्थ्य, शिक्षा, रोजगार के लिए कटिबद्ध है। इस सरकार ने अभी तक किसी भी तबके, किसी भी समाज के हित के लिए एक भी योजना नहीं बनाई हर व्यक्ति परेशान है ये हर हाल में लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी की सरकार द्वारा दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, छात्रों, किसानों, मजदूरों, शिक्षकों, व्यापारियों, महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों के लिए किये गए कार्यों पर भी प्रकाश डाला।

इस मौके पर सुरेंद्र त्यागी, श्रावण त्यागी, सभासद प्रदीप शर्मा, विधानसभा महासचिव उत्तम त्यागी, समाजसेवी हरिदत्त कसाना, सतेन्द्र शर्मा, सचिन दीक्षित, विधानसभा अध्यक्ष युवजन सभा पुनीत वर्मा, विधानसभा उपाध्यक्ष इस्लाम कस्सार, रिजवान कस्सार, राजेश जाटव, सुनील द्विवेदी, सुनील शर्मा, मनीष बंसल, आबिद सुहाना, अभिषेक खन्ना, आरिफ मलिक, शोएब मलिक आदि ने मुख्य रूप से चर्चा में अपने विचार रखे।

समाजसेवी विनोद गौड़ की पत्नी का निधन

वेलकम इंडिया

मोदीनगर। प्रगति एजुकेशन के प्रबंधक एवं समाजसेवी विनोद गौड़ की पत्नी शालिनी शर्मा का मंगलवार को 48 वर्ष की अल्पआयु में निधन हो गया। स्थानीय शमशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। नगर के गणमान्य लोगों ने शालिनी शर्मा के निधन पर दुःख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना जाहिर की है। दिवंगत शालिनी शर्मा मधुर वाणी, हंसमुख एवं व्यवहार कुशल महिला थी। उनकी अंतिम यात्रा में क्षेत्र व नगर के गणमान्य लोगों ने शिरकत की। विनोद गौड़ शामली कॉलेज के पूर्व छात्र नेता एवं राष्ट्रीय प्रमुख सचिव सूचना का अधिकार टास्क फोर्स रहे हैं। वे हमेशा सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते हैं।

मॉडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज में डी.ईआई.ईडी. छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। मोहननगर स्थित मॉडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज में बुधवार से डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन (डी.ईआई.ईडी.) सत्र 2024-25 के नवप्रवेशी छात्रों के लिए सप्ताहिक अभिविन्यास कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कॉलेज की शैक्षणिक व्यवस्था, नियम-कानून, शिक्षण पद्धति और अन्य महत्वपूर्ण संसाधनों से परिचित कराना था। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई, जिसके बाद कॉलेज की प्राचार्या प्रो. निशा सिंह ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, हमारा उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को शिक्षित करना नहीं, बल्कि उनमें नैतिक मूल्यों, आत्म-अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास करना भी है। यह अभिविन्यास कार्यक्रम विद्यार्थियों को न केवल कॉलेज के वातावरण से परिचित कराएगा, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत करेगा। कॉलेज प्रशासन ने विद्यार्थियों को कॉलेज की कार्यप्रणाली, संकाय सदस्यों और छात्र क्लबों से अवगत कराया। इसके साथ ही, कैंपस टूर, विजन और मिशन, मेंटर-मेंटी सत्र और पुस्तकालय के नियमों की जानकारी दी गई, जिससे विद्यार्थियों को कॉलेज की समग्र कार्यसंस्कृति को समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम के दौरान कई विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और नए वातावरण को लेकर अपने उत्साह को प्रकट किया। समापन सत्र में डॉ. निशी त्यागी (विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग) ने विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शिक्षकों एवं कॉलेज प्रशासन को धन्यवाद दिया।

आईटीएस डेंटल कॉलेज द्वारा सीबीआई कोर्ट कैंपस में लगाया गया दंत चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज, मुरादनगर द्वारा बार एसोसिएशन गाजियाबाद के सहयोग से सीबीआई कोर्ट कैंपस, जिला एवं सत्र न्यायालय गाजियाबाद में एक प्रथम निशुल्क दंत चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का लगाया गया। संस्थान के दंत विशेषज्ञों की टीम ने इस शिविर में लगभग 200 से अधिक लोगों की मौखिक स्वास्थ्य की निशुल्क जांच की और आवश्यक उपचार बताये। इसके साथ ही शिविर स्थल पर आने वाले सभी मरीजों को अच्छी मौखिक स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूक किया। जरूरतमंद लोगों को दंत चिकित्सा सेवा प्रदान की गई। जिसमें विशेष रूप से दांतों की सड?, मसूड़ों की बीमारियों, दंत फ्लोरोसिस और उन्हें रोकने के उपायों पर जोर दिया गया। इसके अलावा उन्हें कैरियोजेनिक खाद्य पदार्थों के बारे में शिक्षित किया गया जो दांतों की सड? पैदा कर सकते है। इसके बाद उन्हें मौखिक रोगों से संबंधित उनके प्रश्नों के उत्तर भी दिये। शिविर स्थल पर आने वाले सभी मरीजों को अपना दंत उपचार कराने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त मरीजों को संस्थान में प्रदान किये जाने वाले उच्चतम उपचार जैसे डेंटल इंप्लांट, लैमिनेट्स, वेनीर्स, माइक्रोस्कोपिक रूट कैनाल ट्रीटमेंट, ब्रेसेस, एलाइनर्स, टीथ व्हाइटनिंग इत्यादि।

क्रिकेट बडीज की टीम ने जीता अयोध्या प्रीमियर लीग-10 का खिताब

अयोध्या(वेलकम इंडिया)

डॉ0 भीमराव अम्बेडकर स्पोर्टस स्टेडियम मकबरा में चल रहे स्व0 राकेश चन्द्र कपूर ह्यपल्लू भईयाह्न मेमोरियल अयोध्या प्रीमियर लीग-10 अयोध्या मार्बल कप का आज समापन हो गया। प्रतियोगिता का आखिरी व लीग का फाइनल मैच क्रिकेट बडीज लखनऊ व लाइफ केयर लखनऊ के बीच खेला गया। फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रुप में अयोध्या के प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय व विशिष्ट अतिथि युवा भाजपा नेता अमल गुप्ता, प्लेवे मान्टेसरी स्कूल की प्रबन्धक श्रीमती नीरा कपूर, केन्द्रीय दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल, अभय कुमार वर्मा, अवि आनन्द, सै0 सैफ व रोहित अग्रवाल का स्वागत आयोजन सचिव सुप्रीत कपूर व निदेशक सै0 सुबहानी ने माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेट कर किया। फाइलन मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लाइफ केयर की टीम 14 ओवर में 106 रन पर ही ऑल आउट हो गई। लाइफ केयर के बल्लेबाज शिवेन्द्र शुक्ला ने 14 गेद पर 4 चौके व 1 छक्के की मदद से 28 रन, प्रियांशु पाण्डेय 23 गेद पर 4 चौके व 1 छक्के के मदद से 26 रन व शावेज खान ने 8 गेद पर 2 छक्के की मदद से 16 रन बनाए। वही क्रिकेट बडीज की टीम के गेंदबाज मुनेन्द्र मौर्या ने 4 विकेट व अभिताब और अमरेन्द्र 2-2 विकेट हासिल किये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी क्रिकेट बडीज की टीम ने 15वें ओवर में 5 विकेट शेष रहते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। क्रिकेट बडीज के बल्लेबाज मुनेन्द्र मौर्या ने 36 गेंद पर 9 चौके व 1 छक्के की मदद से 56 रन बनाए व राजीव ने 20 रन बनाए। लाइफ केयर के गेंदबाज शुभम ने दो विकेट हासिल किये। प्रतियोगिता के समापन में आये हुए अतिथियों ने रनर और विनर टीम को ट्राफी देकर सम्मानित किया। विजयी टीम को 61 हजार रुपये का नगद पुरस्कार व रनर टीम को 41 हजार रुपये का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मीडिया प्रभारी मनोज तिवारी ने बताया कि इस मौके पर शोभित कपूर डी0 एन0 वर्मा, पार्षद अभय श्रीवास्तव, सै0 आसिफ, संदीप वैश्य, तेजिन्दिर पाल सिंह, अंकुश गुप्ता, विवेक साहू, सचिन सरीन, अली सईद, उमाशंकर जायसवाल, पृथ्वी यादव, सुमित राजपाल आदि लोग मौजूद रहें।

किसान दिवस में किसानों की सामूहिक शिकायतों का प्रमुखता से करें निस्तारण: दीपक मीणा

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन में बुधवार को जिलाधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें गत किसान दिवस की शिकायतों के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी। उप कृषि निदेशक, गाजियाबाद द्वारा शिकायतों से सम्बन्धित प्राप्त आख्याओं का विभागवार कृषकों को अवगत कराया गया। कृषक श्री प्रमोद कुमार त्यागी द्वारा विद्युत विभाग की शिकायत के निस्तारण पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा अधिशासी अभियन्ता विद्युत को निर्देशित किया कि स्पष्ट कार्ययोजना तैयार कर लें कि कार्य कब किया जाना है एवं इससे शिकायतकर्ता को भी अवगत करा दें। लोक निर्माण विभाग की शिकायतों के संबंध में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग खण्ड-2 को निर्देशित किया कि जनपद में समस्त सड़कों का सर्वे करा लिया जाये। जिससे मरम्मत एवं नई सड़क बनाने के लिए अग्रिम कार्यवाही की जा सकें। ग्राम दुहाई में तालाबों की सफाई एवं कब्जा मुक्त करने के सम्बन्ध में अपर नगर आयुक्त, नगर निगम, गाजियाबाद एवं अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई तथा राजस्व के अधिकारी एक साथ बैठक कर इस समस्या का निराकरण करा दें। इसके अतिरिक्त अन्य समस्याओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया कि कृषकों की जो व्यक्तिगत समस्यायें है उसे विभाग से समन्वय स्थापित कर निस्तारित करा लिया जाए एवं जो सामूहिक शिकायतें है उनका निस्तारण किसान दिवस में कराना सुनिश्चित करें एवं यह भी निर्देशित किया गया कि कोई भी कार्य कब स्वीकृत हुआ, कब तक पूर्ण किया जाना है, का स्पष्ट उल्लेख अपनी आख्या में अवश्य करे। आज के कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। किसान दिवस में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, एडीएम ई रणविजय सिंह सहित समस्त जनपदीय अधिकारी एवं लगभग 80 कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

मेवाड़ में छत्रपति शिवाजी जयंती समारोह पूर्वक आयोजित हुआ

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। 'मां, शिक्षक और गुरु ही एक बच्चे के व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं और छत्रपति शिवाजी महाराज इसका एक उदाहरण हैं। शिवाजी को छत्रपति शिवाजी बनाने वाले उनकी मां, चाचा और गुरु थे।

राजस्थान के महाराणा सांगा परिवार से सम्बद्ध सिसोदिया वंश के शिवाजी जैसा निर्भीक योद्धा, कुशल प्रशासक, साम्प्रदायिक सौहार्द का प्रणेता आज तक कोई नहीं हुआ। उनके आदर्शों पर चलकर नौजवान देश व समाज के प्रति अपना जीवन सार्थक रूप से समर्पित कर सकते हैं।ज वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के विवेकानंद सभागार में आयोजित छत्रपति शिवाजी जयंती समारोह में इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने ये विचार व्यक्त किए। उन्होंने शिवाजी की जीवनी के कुछ प्रेरणादायक प्रमुख अंश विद्यार्थियों को सुनाये और बताया कि विश्व में गुरिल्ला युद्ध शिवाजी की देन है। शिवाजी ने अपने कम योद्धाओं के बावजूद दुश्मनों की बड़ी सेना के दांत खट्टे किये। डॉ. गदिया ने कहा कि समय, काल और परिस्थिति के अनुसार हमें अपने तौर तरीके बदलने होंगे। यह शिवाजी ने सिखाया। शिवाजी के पास जांबाज सेनापति थे, जो बहुत विश्वासी थे। इसी वजह से शिवाजी ने हर मोर्चे पर दुश्मनों का डटकर मुकाबला किया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि सफलता हासिल करनी है तो अपनी सोच बदलो, जागरूक बनो और अपने से आगे देखो। सबसे प्रेमभाव से रहो। कटुता त्यागो। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने कहा कि महापुरुष हमारे प्रेरणास्त्रोत हैं। इनसे जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है।

महाकुम्भ में जाने के लिए टेंपो ट्रैवलर की बुकिंग के नाम पर जालसाजों ने ठगे 20 हजार रुपये

गाजियाबाद। महाकुम्भ में जाने के लिए टेंपो ट्रैवलर की बुकिंग के नाम पर जालसाजों ने एक व्यक्ति से 20 हजार रुपये ठग लिए। एडवांस में रुपये लेने के बाद फोन बंद कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर थाना इंदिरापुरम पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। इंदिरापुरम थानाक्षेत्र के वैभवखंड की आदित्य मेगा सिटी निवासी अमित मोहन सिंघल को परिवार सहित महाकुम्भ जाना था। उन्होंने पांच फरवरी को इंटरनेट पर ट्रैवल एजेंट का नंबर ढूंढ़ा। कुछ नंबरों पर उन्होंने कॉल कर पूछा, लेकिन सात फरवरी के लिए किसी ने वाहन उपलब्ध न होने की बात कही। इसके बाद अनजान नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को ट्रैवल एजेंट बताया और कहा कि प्रयागराज के लिए हर तरह का वाहन उपलब्ध है। जालजास ने 12 सीट वाले वाहन की बुकिंग के लिए 42 हजार रुपये बताए। छह फरवरी को उन्हें जालसाज ने दोबारा कॉल किया और बुकिंग कन्फर्म करने के नाम पर साढ़े 10 हजार रुपये जमा कराने को कहा। उन्होंने भुगतान कर दिया, जिसके बाद सात फरवरी को फिर से कॉल आया और डीजल व अन्य खर्च के लिए 17 हजार रुपये मांगे। उन्होंने पहले इनकार कर दिया, लेकिन बाद में 10 हजार रुपये और दे दिए। इसके बाद उसने अमित का फोनन उठाना बंद कर दिया। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि केस दर्ज कर नंबर के आधार पर छानबीन शुरू कर दी है। पहचान कर जालसाज को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

फर्जी तरीके से मिनी ट्रक बेचकर 4.82 लाख हड़पे

गाजियाबाद। फर्जी तरीके से मिनी ट्रक बेचकर एक व्यक्ति से 4.82 लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। कोर्ट के आदेश पर मोदीनगर कोतवाली में पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। गांव शाहजहांपुर निवासी विशाल कुमार के अनुसार, उनके कामकाज के लिए मिनी ट्रक की जरूरत थी। इसके चलते वह मसूरी गाजियाबाद में स्थित एक गोदाम में पहुंचे, जहां फाइनेंस कंपनी की तरफ से किस्त जमा नहीं होने पर वाहनों को खींचकर रखा जाता था। पीड़ित का कहना है कि उन्हें एक मिनी ट्रक पसंद आया। जानकारी करने पर पता चला कि मिनी ट्रक एक फाइनेंस कंपनी के अधीन है। पीड़ित ने मामले में कंपनी के लोगों से बातचीत की और 4.82 लाख में रुपये सौदा हो गया। पीड़ित ऑनलाइन रुपये दे दिए। इसके बाद गोदाम का किराया और टैक्स भी पीड़ित ने दिया। उसका कनहा है कि कुछ दिन पहले वह माल लेकर लौट रहा था। मोदी मंदिर के निकट कार सवारों ने मिनी ट्रक रोक लिया और किस्त नहीं देने की बात कहते हुए मिनी ट्रक साथ ले गए। जानकारी करने पर पता चला कि मिनी ट्रक पर लोन बकाया है। पीड़ित ने कंपनी के लोगों से रुपये वापस मांगे। जिस पर उन्होंने उसके साथ गाली-गलौज की और भगा दिया। पुलिस के अनुसार, कोर्ट के आदेश पर पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। साक्ष्य मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

दिनदहाड़े पाइप चोरी का विरोध करने पर बदमाशों ने मारा ब्लेड

गाजियाबाद। शालीमार गार्डन थानाक्षेत्र में दिनदहाड़े पाइप चोरी कर रहे बदमाश ने विरोध पर एक व्यक्ति को ब्लेड मार दिया। घटना मंगलवार दोपहर करीब दो बजे की है। ब्लेड उनके माथे पर लगा, जिससे वह लहूलुहान हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शालीमार गार्डन की पप्पू कॉलोनी निवासी आसाराम यादव के घर के बाहर लगा पेयजल लाइन का पाइप एक व्यक्ति तोड़कर ले जा रहा था। उनकी नजर पड़ी तो शोर मचाकर आरोपी को रोकने का प्रयास किया। इस पर उसने ब्लेड चला दिया, जो उनके माथे पर लगा। इसके बाद आरोपी फरार हो गया। एसीपी शालीमार गार्डन सलोनी अग्रवाल ने बताया कि पीड़ित की हालत खतरे से बाहर है। रिपोर्ट दर्ज कर हमलावर को गिरफ्तार कर लिया, जिसकी पहचान नीरज निवासी पप्पू कॉलोनी के रूप में हुई है।

अवैध संबंध के शक में पत्नी ने पत्नी को उतारा मौत के घाट

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। ट्रांस हिंडन जोन के टीला मोड़ इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। जहां एक पति ने शक के चलते अपनी पत्नी की चाकू मारकर हत्या कर दी। आरोपी पति को शक था कि उसकी पत्नी के किसी और से अवैध संबंध हैं। इसी शक में दोनों के बीच अक्सर झगड़ा हुआ और चाकू घोंपकर बीवी को मार डाला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस वारदात की शिकार बनी शहनाज (32)। शहनाज अपने पति शमशाद और परिवार के साथ पसौंडा इलाके में ईदगाह के पास रहती थी। पड़ोसियों के मुताबिक दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे। मंगलवार को भी दोनों के बीच किसी बात को लेकर बहस हुई, जो बढ़ते-बढ़ते इतनी बढ़ी कि गुस्से में आकर शमशाद ने चाकू उठाया और शहनाज पर हमला कर दिया। घटना के बाद घायल शहनाज को तुरंत दिल्ली के जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एसीपी शालीमार गार्डन सलोनी अग्रवाल ने बताया कि पुलिस को घटना की सूचना अस्पताल से ही मिली, मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपी पति शमशाद को हिरासत में ले लिया।

घर से ट्यूशन गए दो बच्चे संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

गाजियाबाद। सिटी जोन की कोतवाली सिहानी गेट क्षेत्र के मुहल्ला घूकना में रहने वाले दो बच्चे गए थे ट्यूशन पढे। मगर वापस नहीं लौटे। परिवार वालों ने खूब तलाश की। मगर उनका कोई सुराग नहीं लगा। परिवार वालों ने पुलिस में मुकदमा दर्ज कराकर अप्रिय घटना की आशंका जताई है। पुलिस के लिए दोनों बच्चों को तलाशना और उनके गायब होने की वजह जानना फिलहाल पहेली बना है। सिहानी गेट कोतवाली क्षेत्र के घूमका मुहल्ले की गली नंबर दो में रहने वाले दुशासन सिंह का बेटा गाजियाबाद के ही एक निजी स्कूल में पढ़ता है। दुशासन सिंह ने बेटे का नजदीक ही प्रेम धर्मशाला के पास ट्यूशन लगा रखा है। सोमवार की दोपहर करीब ढाई बजे 13 साल का अबय अपने ही हमउम्र सहपाठी अंशु के साथ रोज की तरह ट्यूशन पढे गया था। लेकिन दोनों बच्चे वापस नहीं लौटे। परिवार वालों ने दोनों की खूब तलाश की। जब कोई सुराग नहीं लगा तो पुलिस को इसकी लिखित शिकायत कर अप्रिय घटना की आशंका व्यक्त की।

बजट की कमी से अटकी संयुक्त अस्पताल की लिफ्ट

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। संयुक्त अस्पताल की लिफ्ट बजट की कमी की वजह से शुरू नहीं हो पा रही। इस कारण मरीजों को सीढियों और रैंप से होकर वार्ड और जांच के लिए ऊपरी मंजिलों पर जाना पड़ रहा। पिछले आठ साल से अस्पताल की लिफ्ट बंद पड़ी है। संजयनगर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल का शुभारंभसाल 2008 में हुआ था। साल 2016 में 12 लाख रुपये से लिफ्ट लगी, लेकिन आठ साल में शुरू नहीं हो सकी। मरीजों की समस्या को देखते हुए सीएमओ डॉ. अखिलेश मोहन के निर्देश पर लिफ्ट शुरू करने के लिए निजी फर्म से संपर्क किया गया है। उसके इंजीनियरों ने लिफ्ट को शुरू करने की कोशिश की तो गेट लॉक पाए गए। इसमें सुधार पर दो लाख रुपये खर्च होंगे, लेकिन बजट की कमी से काम नहीं हो पा रहा। अस्पताल में प्रथम तल पर नेत्र रोग, नाक-कान और गला रोग, फिजियोथैरेपी, आयुर्वेद के अलावा पैथोलॉजी लैब, ऑर्थो और सर्जरी के वार्ड हैं। जबकि दूसरे तल पर मेडिकल वार्ड, डेंगू वार्ड और नेत्र वार्ड बना है। सबसे निचले तल पर ओपीडी के अलावा सीटी स्कैन सेंटर, एक्स-रे रूम और एंटी रैबीज क्लीनिक बना है। अस्पताल में खून की जांच और नेत्र रोग की ओपीडी में आने वाले बुजुर्ग मरीजों को ऊपर चढे में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ओपीडी के सामने ट्रामा सेंटर हैं। जहां मरीजों को भर्ती किया जाता है। पांच से छह घंटे की निगरानी के बाद इन मरीजों को वार्ड में शिफ्ट किया जाता है।

गुरू के शव को कमरे में दबाकर ऊपर सो गया चेला, आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की राजीव गार्डन कॉलोनी में रहने वाले अंकित पांचाल ने अपने गुरू को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। उसके बाद अंकित पांचाल निवासी दोघट ने गुरू दीपक की लाश को अपने कमरे में खोदे गये गड्ढे में दफन किया और उसकी लाश के ऊपर ही सो गया। मंगलवार को जब दीपक अपने घर नहीं पहुंचा तो उसके परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। दीपक का पिता जब अपने दूसरे पुत्र अर्जुन के साथ अंकित पांचाल के मकान पर पहुंचा तो उसने उसके कमरे में मिटद्दी का ढ़ेर लगा पाया।

उसके बाद उसने उक्त मामले की सूचना लोनी बॉर्डर पुलिस को दे दी। उक्त सनसनीखेज वारदात की सूचना मिलते ही एसएचओ लोनी बॉर्डर हरेंद्र मलिक जहां फील्ड यूनिट के साथ पहुंचकर गडद्ढ़ा खुदवाने में लग गये वहीं एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार सिंह भी जांच कार्य में जुट गये। पुलिस ने कमरे में दबाये गये दीपक के शव को बरामद करके पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। उसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दीपक की हत्या करने वाले अंकित पांचाल को भी दबोच लिया। इस वारदात की जानकारी देते हुए एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार शर्मा ने बताया कि मृतक दीपक पीवीसी पैनल व इंटीरियर डेकोरेशन का काम करता था। उसने अंकित पांचाल को भी यह काम सिखा दिया था। कुछ समय से गुरू चेले में क्षेत्र व ग्राहकों को कब्जाने की मानसिकता के चलते कई बार विवाद हुआ था। सोमवार की रात को अंकित पांचाल अपने गुरू दीपक को किसी बहाने घर ले गया।

उसके बाद उसने दीपक की हत्या करके उसकी लाश को अपने कमरे में खोदे गये आठ फिट गहरे गडद्ढ़े में दबा दिया था। श्री सिंह ने बताया कि दीपक की शादी शीतल से हुई थी। उनके तीन बच्चे उमा, छोटी व जतिन पैदा हुए।

इस वारदात के बाद दीपक के घर में कोहराम मचा हुआ था।

सीडीओ ने शिक्षकों को एआरपी पद के दायित्व और कार्य शैली के बारे में बताया

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में बुधवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र रजापुर पर बीईओ एचएम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य गतिमान एआरपी चयन प्रक्रिया में अधिकतम शिक्षकों द्वारा आवेदन करवाना था। मुख्य विकास अधिकारी ने शिक्षकों को एआरपी पद के दायित्व और कार्य शैली के बारे में बताते हुए कहा कि वर्तमान शिक्षण प्रणाली में निपुण भारत मिशन के सफल संचालन और विभागीय योजनाओं के सुचारू रूप से क्रियान्वयन में एआरपी सर्वाधिक मुख्य भूमिका में है और इस महत्वपूर्ण पद के लिए ब्लॉक के सर्वश्रेष्ठ अध्यापकों का चयन करना हम सब का सर्वप्रथम कर्तव्य है। इस संबंध में शिक्षकों की समस्याओं का समाधान करते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि एकेडमिक टीम के मुखिया के रूप में वे स्वयं सबको व्यक्तिगत रूप से सहयोग करेंगे व सबके साथ स्वयं आगे बढ़कर योजनाओं के संचालन में आ रही जमीनी समस्याओं के निवारण के तरीके खोज कर उनका समाधान करने का प्रयास करेंगे। बीएसए ने शिक्षकों से कहा कि किसी भी प्रतिस्पर्धा में समावेशी चयन प्रक्रिया के माध्यम से ही सर्वश्रेष्ठ का चुनाव किया जा सकता है। इसके लिए सभी की समान रूप से सहभागिता आवश्यक है। बीईओ रजापुर ने बैठक में ही इच्छुक शिक्षकों को आवेदन पत्र प्रदान किया।

सोशल मीडिया पर दबंगई की वीडियो वायरल, एक आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद। वेव सिटी थानाक्षेत्र में एक युवक द्वारा सोशल मीडिया पर दबंगई की वीडियो वायरल करने का मामला सामने आया है। वीडियो पर संज्ञान लेते हुए पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि वीडियो में आरोपी ने तबाही मचाने और गोलियां बरसाने की बात कह रहा है। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। एसीपी वेव सिटी लिपि नगायच ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक युवक का वीडियो वायरल हुआ था। उसमें कुछ युवक एक कमरे में शराब पार्टी कर रहे हैं। मेज पर शराब से भरे गिलास भी रखे हुए थे।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंच का बढ़ा कुनबा

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंच ट्रस्ट के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल एवं प्रदेश अध्यक्ष संजय बिंदल द्वारा बुधवार को जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता एवं उनकी समस्त टीम की घोषणा की और फूल माला पहनाकर एवं नियुक्ति पत्र दिए। साथ ही व्यापारियों ने प्रण लिया कि व्यापारियों के हितों के लिए एकजुट रहेंगे। जिला महामंत्री नितिन मित्तल, जिला संरक्षण अमित गोयल, जिला चेयरमैन मोनू तिवारी, जिला संगठन मंत्री मयंक सक्सेना, जिला संयोजक अनुज पंडित, जिला उपाध्यक्ष अमित कुमार, जिला प्रभारी जयकांत साहू, जिला प्रचार मंत्री गौरव अग्रवाल, जिला वरिष्ठ चेयरमेन अशोक कुमार, जिला संयोजक सुनील सारस्वत, इस अवसर पर राष्ट्रीय पदाधिकारी भी बनाए गए अमन सिसोदिया राष्ट्रीय चेयरमेन, संजय गुप्ता राष्ट्रीय प्रभारी।

राजेंद्र कुमार राजू वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सुनील कुमार एडवोकेट राष्ट्रीय कानूनी सलाहकार, राहुल कंसल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, महेंद्र कुमार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्रीपाल यादव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, गोपाल चंद्र गर्ग राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, मूलचंद गर्ग राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकेश प्रजापति राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, विनोद कुमार राष्ट्रीय सचिव सुंदरलाल राष्ट्रीय सचिव एवं पिंकू सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष इमरान रिजवान प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गए। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने बताया कि संगठन का एकमात्र देश है कि व्यापारियों के हितों को सर्वप्रथम वरीयता दी जाए और किसी भी समस्या के समाधान के लिए एकजुटा के साथ खड़ा हुआ जाए। उन्होंने कहा कि संगठन समाज राष्ट्र और व्यापारियों के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। बता दे कि व्यापारियों के अनगिनत संगठन गाजियाबाद में सक्रिय हैं जो कि समय-समय पर कार्यक्रम विरोध प्रदर्शन सभाएं आदि कर अपनी उपस्थिति दर्ज करते हैं ऐसे में अब यह नया संगठन किस तरह से व्यापारियों के साथ मिलकर काम करता है और व्यापारियों की उम्मीद पर कितना खरा उतरता है यह तो आने वाला वक्त बताएगा।